▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 174 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 19-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा 'उपभोक्ता बाजार' है : योगी

6 ग्रीनलैंड विवाद और बदलती वैश्विक धुरी

7 कामयाबी जहर और जिंदगी नरक बन गई थी : कंगना रनौत

Viksit Bharat - Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin) : VB - G RAM G (विकसित भारत - जी राम जी) Act, 2025

125 दिन की रोज़गार गारंटी

बेरोज़गारी भत्ते की बेहतर सुविधा | मज़दूरी का समयबद्ध भुगतान और विलंब होने पर क्षतिपूर्ति | ग्राम सभा बनायेगी विकसित ग्राम पंचायत योजना

विकसित ग्राम पंचायत से विकसित भारत की ओर

CBC 35101/13/0080/2526

फर्स्ट टेक

कर्नाटक में कुमारधारा नदी में डूबने से दो लोगों की मौत

दक्षिण कन्नड़/भाषा। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में रविवार को सुब्रमण्य के निकट कुमारधारा नदी में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान हरिप्रसाद (37) और सुजीत (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि ये दोनों लोग दक्षिण कन्नड़ जिले में सुलिया तालुका के कल्लामोगरू गांव के निवासी थे। पुलिस के मुताबिक, ये दोनों लोग तैरने के लिए नदी में उतरे थे लेकिन गहरे पानी में चले जाने के बाद डूब गये। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद बचाव अभियान शुरू किया गया लेकिन उन्हें नहीं बचाया जा सका। पुलिस के मुताबिक, बाद में दोनों लोगों के शव नदी से बरामद किए गए।

दक्षिण अफ्रीका में सबसे पुराने हिंदू मंदिर में पूजा बंद होने का खतरा

जोहानिसबर्ग/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के डरबन में स्थित 150 वर्ष से अधिक पुराने और राष्ट्रीय स्मारक के रूप में घोषित हिंदू मंदिर में प्रबंधन पर धोखाधड़ी के आरोप और पांच लाख रैंड से अधिक की लंबित देनदारी के कारण पूजा-अर्चना बंद होने का खतरा पैदा हो गया है। मंदिर पदाधिकारियों द्वारा फॉरेंसिक ऑडिट शुरू करने की घोषणा किए जाने के बाद, दक्षिण अफ्रीकी हिंदू महा सभा (एसएएचएमएस) ने समुदाय से 151 साल पुराने उम्बिलो श्री अंबलावानार अलायम को बचाने का आह्वान किया, जिसकी स्थापना 1860 में भारत से अनुबंध पर डरबन आए मजदूरों द्वारा की गई थी। ल की राष्ट्रीय स्मारक परिषद द्वारा 1980 में राष्ट्रीय धरोहर स्थल घोषित किए गए इस पूजा स्थल की दयनीय वित्तीय स्थिति पिछले सप्ताह मंदिर पदाधिकारियों द्वारा अपने फेसबुक पेज पर एक नोटिस पोस्ट किए जाने के बाद सामने आई, जिसमें किसी भी अधिकारी का नाम लिए बिना आरोप लगाए गए थे। यह भी बताया जा रहा है कि दान और अन्य धनराशि को मंदिर के खाते में जमा करने के बजाय निजी बैंक खातों में स्थानांतरित किए जाने के आरोपों के बाद मंदिर के रखरखाव में भी कठिनाई हो रही है।

भारत जब तक धर्म के मार्ग पर चलता रहेगा, तब तक 'विश्वगुरु' बना रहेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि जब तक धर्म भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा, देश 'विश्वगुरु' बना रहेगा। भागवत ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि ऐसा आध्यात्मिक ज्ञान दुनिया के दूसरे हिस्सों में नहीं पाया जाता। उन्होंने कहा कि धर्म ही पूरे ब्रह्मांड को चलाता है और सब कुछ उसी सिद्धांत पर चलता है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत को अपने पूर्वजों से एक समृद्ध आध्यात्मिक धरोहर विरासत में मिली है और साधु-संतों से मार्गदर्शन मिलता रहा है। भागवत ने कहा कि धर्म केवल धार्मिकता तक सीमित नहीं है और प्रकृति में हर किसी का अपना नैतिक कर्तव्य व अनुशासन होता है। उन्होंने कहा कि जब तक ऐसा धर्म भारत का मार्गदर्शन करता रहेगा, तब तक भारत 'विश्वगुरु' बना रहेगा। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि दुनिया के पास इस तरह का ज्ञान नहीं है, क्योंकि उसमें आध्यात्मिकता की कमी है। उन्होंने कहा, ''यह हमारे पूर्वजों की विरासत है, जो हमें मिली है।''

धर्म केवल धार्मिकता तक सीमित नहीं है और प्रकृति में हर किसी का अपना नैतिक कर्तव्य व अनुशासन होता है।

भागवत ने कहा, ''चाहे वह नरेन्द्र भाई हों, मैं हूं, आप हों या कोई और, हम सभी को एक ही शक्ति चला रही है। यदि वाहन उस शक्ति से चले, तो कभी कोई दुर्घटना नहीं होगी। वह चालक धर्म है।''

भागवत ने इस बात पर जोर दिया कि जब सृष्टि का निर्माण हुआ, तो इसके क्रियाकलापों को संचालित करने वाले नियम ही धर्म बन गए। भागवत ने कहा कि धर्म केवल धार्मिकता तक सीमित नहीं है और प्रकृति में हर किसी का अपना नैतिक कर्तव्य व अनुशासन होता है। भागवत ने कहा, पानी का धर्म है बहना, आग का धर्म है जलाना। पुत्र का कर्तव्य है, शासक का कर्तव्य है और आचार-व्यवहार के नियम होते हैं। हमारे पूर्वजों ने इन नियमों को आध्यात्मिक शोध और महान प्रयासों के माध्यम से समझा।

नए आयामों के कारण युद्ध अब जटिल हो गए हैं : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को यहां कहा कि युद्ध बहुत जटिल हो गए हैं और अब ये केवल सीमाओं तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि ऊर्जा, व्यापार, शुल्क, आपूर्ति शृंखला, प्रौद्योगिकी और सूचना भी इसके नए आयामों का हिस्सा हैं।

यहां 'सोलर इंडस्ट्रीज' में मध्यम क्षमता वाले गोला-बारूद संयंत्र के उद्घाटन समारोह में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब रक्षा उत्पादन केवल सार्वजनिक क्षेत्र तक सीमित था और किसी ने भी निजी क्षेत्र की भागीदारी के बारे में नहीं सोचा था।

उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र के पास क्षमता और संभावना तो थी, लेकिन उसकी भागीदारी उस स्तर पर नहीं थी जितनी होनी चाहिए थी।

सिंह ने कहा कि जब देश 'आत्मनिर्भरता' की दिशा में कदम बढ़ा रहा था तब निजी क्षेत्र के रक्षा उत्पादन को लेकर चुनौतियां और संदेह थे, लेकिन वर्तमान सरकार ने नीतियों में बदलाव लाकर और प्रक्रियाओं को सरल बनाकर इस क्षेत्र के लिए द्वार खोल दिए, क्योंकि सरकार को निजी क्षेत्र की क्षमता पर पूरा भरोसा था। उन्होंने कहा, ''इससे गुणवत्ता में सुधार, समयबद्ध कार्य निष्पादन में वृद्धि और उत्पादकता एवं वितरण में भी तेजी आई है। हमारे रक्षा तंत्र में काफी सुधार हुआ है। निजी रक्षा क्षेत्र में वैज्ञानिक सोच और प्रौद्योगिकी आधारित दृष्टिकोण का विकास जिस प्रकार हुआ है वह अत्यंत सराहनीय है।''

33 फीट ऊंचा शिवलिंग

बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी में रविवार को विराट रामायण मंदिर के पास स्थापित 33 फीट ऊंचा और 210 मीट्रिक टन वजनी शिवलिंग। यह शिवलिंग तमिलनाडु के महाबलीपुरम में निर्मित किया गया और विशेष रूप से तैयार 96 पहियों वाले ट्रेलर से कल्याणपुर लाया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर लगाया आरोप

कांग्रेस ने अपने शासन में वोट के लिए असम की जमीन घुसपैठियों को सौंप दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलियाबोर (असम)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने पूर्वोत्तर राज्य असम में अपने शासनकाल के दौरान वोट के लिए घुसपैठियों को जमीन सौंप दी। मोदी ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि असम में कांग्रेस शासन के दौरान दशकों तक घुसपैठ बढ़ती रही तथा अवैध प्रवासी वनों, जानवरों के गलियारों और पारंपरिक संस्थानों पर अतिक्रमण करते रहे। उन्होंने कहा, ''भाजपा सरकार अतिक्रमण करने वाले घुसपैठियों को निष्कासित करके असम की पहचान और संस्कृति की रक्षा कर रही है।''

प्रधानमंत्री ने कहा, घुसपैठिए जनसांख्यिकी संतुलन को बिगाड़ रहे हैं, संस्कृति पर हमला कर रहे हैं, गरीबों और युवाओं से रोजगार छीन रहे हैं, और आदिवासी क्षेत्रों में भूमि पर अवैध कब्जा कर रहे हैं, जो असम और देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने लोगों को कांग्रेस से सतर्क रहने की चेतावनी दी और कहा कि उसकी केवल एक नीति है - घुसपैठियों की रक्षा करना और सत्ता हासिल करना।

घुसपैठिए देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा

कांग्रेस और उसके सहयोगी इस दृष्टिकोण का पालन देश भर में कर रहे हैं, और बिहार चुनाव के दौरान उन्होंने घुसपैठियों को बचाने के लिए मार्च व रैलियां आयोजित की थीं, लेकिन वहां की जनता ने उन्हें पूरी तरह नकार दिया। मोदी ने कहा कि असम की जनता भी उन्हें करारा जवाब देगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने लोगों का भरोसा खो दिया है क्योंकि वह ''नकारात्मक राजनीति का संदेश'' देती है और अब देश में मतदाताओं की ''पहली पसंद'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है। उन्होंने कहा, ''मतदाता सुशासन और विकास के लिए भाजपा पर भरोसा करते हैं। बिहार चुनाव में लोगों ने 20 साल सत्ता में रहने के बाद भी पार्टी को रिकॉर्ड संख्या में वोट और सीट दीं।'' मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनाव में भी लोगों ने भाजपा को वोट दिया और केरल में भी ''अब हमारे पास पार्टी का एक महापौर'' है। उन्होंने कहा, दो दिन पहले ही, महाराष्ट्र के प्रमुख शहरों में महापौर और पार्षद चुनावों के परिणाम घोषित किए गए थे। दुनिया की सबसे बड़ी महानगरपालिकाओं से एक मुंबई ने पहली बार भाजपा को रिकॉर्ड जनादेश दिया, जबकि राज्य के अधिकांश शहरों के लोगों ने हमें सेवा का अवसर दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, देश भर में हालिया चुनाव परिणाम स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि मतदाता सुशासन और विकास चाहते हैं, जिसमें प्रगति और धरोहर दोनों पर ध्यान केंद्रित किया जाए। उन्होंने कहा, ये चुनाव यह संदेश भी देते हैं कि देश लगातार विपक्षी दल की नकारात्मक राजनीति को नकार रहा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने देश का विश्वास खो दिया है क्योंकि उसके पास विकास के लिए कोई एजेंडा नहीं है, और ऐसी पार्टी असम या काजीरंगा के हितों को कभी पूरा नहीं कर सकती।

ए आर रहमान ने अपनी टिप्पणी को लेकर दी सफाई, कहा-

किसी को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था : ए आर रहमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जानेमाने संगीतकार ए आर रहमान ने रविवार को अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने हाल में दिए गए एक साक्षात्कार में अपनी टिप्पणी के बाद हो रही आलोचनाओं का जवाब देते हुए कहा कि इरादे कभी-कभी गलत समझे जा सकते हैं, लेकिन वह अपने शब्दों से किसी को ठेस पहुंचाना नहीं चाहते थे।

रोजा, बॉम्बे और दिल से... जैसी फिल्मों में अपने संगीत के लिए जाने जाने वाले रहमान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने यह स्पष्टीकरण दिया।

संगीतकार रहमान (59) ने कहा कि संगीत हमेशा से भारत की संस्कृति से जुड़ने और उसका सम्मान करने का एक तरीका रहा है। उन्होंने वीडियो में कहा, ''भारत मेरी प्रेरणा, मेरा गुरु और मेरा घर है। मैं

समझता हूं कि कभी-कभी इरादों को गलत समझा जा सकता है। हालांकि मेरा उद्देश्य हमेशा संगीत के माध्यम से उत्थान, सम्मान और सेवा करना रहा है। मैंने कभी किसी को दुख पहुंचाने की इच्छा नहीं रखी और मुझे उम्मीद है कि मेरी ईमानदारी महसूस की जाएगी।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय होने पर मुझे गर्व है क्योंकि यह मुझे एक ऐसा मंच बनाने की शक्ति देता है जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बहुसांस्कृतिक आवाजों का जश्न मनाने की अनुमति देता है।'' उन्होंने कहा कि उनकी संगीत यात्रा हमेशा ईमानदारी और उद्देश्य से जुड़ी रही है। उन्होंने वेव समिट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष 'जला' की प्रस्तुति, रूह-ए-नूर और नगालैंड के युवा संगीतकारों के साथ काम और बहुसांस्कृतिक वर्चुअल बैंड सीक्रेट माउंटेन बनाने का उल्लेख किया। साथ ही, नितेश तिवारी की रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म 'रामायण' के लिए संगीत तैयार करने को गर्व और सम्मान की बात बताया। उन्होंने कहा, ''हर यात्रा ने मेरे उद्देश्य को और मजबूत किया है।''

रहमान की ये टिप्पणी बीबीसी एशियन नेटवर्क के साथ एक साक्षात्कार के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पिछले कुछ वर्षों में हिंदी फिल्म उद्योग में सत्ता परिवर्तन के कारण उन्हें कम काम मिल रहा है और कहा कि इसका कारण सांप्रदायिक भी हो सकता है। उन्होंने साक्षात्कार में कहा था, ''मैं काम की तलाश में नहीं रहता। मैं चाहता हूं कि ईमानदारी से काम करने की बदौलत काम खुद मेरे पास आए। मुझे लगता है कि जब मैं चीजों की तलाश में निकलता हूं तो वह एक तरह का अपशकुन होता है। आज फैसले ऐसे लोगों के हाथ में हैं जो रचनात्मक नहीं हैं।

गाजा समझौता:

ट्रंप ने भारत को 'बोर्ड ऑफ पीस' का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा शांति समझौते के लिए भारत को अन्य वैश्विक साझेदारों के साथ 'बोर्ड ऑफ पीस' का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। वाशिंगटन, ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' को गाजा और उसके आसपास शांति एवं स्थिरता लाने के लिए एक नए अंतरराष्ट्रीय निकाय के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि यह निकाय अन्य वैश्विक संघर्षों में भी अहम भूमिका निभा सकता है।

विजय हज़ारे ट्रॉफी

कर्नाटक के बेंगलूरु में रविवार को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में विजय हज़ारे ट्रॉफी 2025-26 जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ पोज़ देते विदर्भा टीम के खिलाड़ी।

19-01-2026 सूर्यास्त 6:03 बजे | 20-01-2026 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
83,570.35 (+187.64)	25,694.35 (+28.75)

सोना	चांदी
14,805 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	310,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सत्ता के स्वार्थ

डाकू खुले घूमते मिलते,
ऐरन के चोरों को जेल।
बांट-चूंट कर खाते सब मिल,
खेल रहे वोटों का खेल।
हाथी हुए मतंग शक्ति से,
बकरी पर कस रहे नकेल।
सत्ताओं में स्वार्थ सिद्धि हित,
काम सभी होते बेमेल।।

तेरापंथ महिला मंडल, गाँधीनगर द्वारा 'मर्यादा क़्वेस्ट' क्विज शो का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल, गाँधीनगर द्वारा 'मर्यादा क़्वेस्ट' क्विज शो का आयोजन गांधीनगर भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में हुआ। मुनिश्री ने कहा, तेरापंथ धर्म संघ में साधु साध्वी हो या श्रावक श्राविकाएं, सभी मर्यादाओं का सम्मान करते हैं। तेरापंथ धर्म संघ में मर्यादाओं का पालन अटूट निष्ठा से किया जाता है। आदित्य मुनिजी ने गीत के माध्यम से प्रेरणा प्रदान की। मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा मर्यादा हमारे जीवन की आधारशिला है।

तेरापंथ धर्म संघ में मर्यादा केवल एक नियम नहीं जीवन जीने की कला, अनुशासन,आत्म चिंतन एवं आत्मा विश्वास का साधन है। मंत्री विजेता रायसोनी ने क्विज़ शो के नियमों की जानकारी दी। मर्यादा क्वेस्ट क्विज में पाँच सदस्यों की कुल 10 टीम बनाई गई। टीम संयम शक्ति ने प्रथम, टीम मर्यादा ज्योति ने द्वितीय व टीम धर्म पथिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अन्य सात टीम व्रत वीर, अमृत अनुशासन, तेरापंथ तेजस्वी, सिद्धांत शक्ति, अनमोल आचरण, अनुशासन योद्धा, सदाचार सेतु को भी पारितोषिक पुरस्कार दिए गए।

क्विज़ शो संयोजिका एवं क्विज मास्टर तृप्ति सुराणा ने संयोजन किया। सहमंत्री व संयोजिका विनीता मरोठी ने कार्यक्रम का संचालन किया ।

मुरैना में लुटेरों ने किन्नरों को निशाना बनाया; सोना, नकदी लूटी

मुरैना (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में लुटेरों के एक समूह ने एक किन्नर के घर को निशाना बनाया और बंदूक के बल पर सोने-चांदी के गहने और नकदी लूट ली। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) रवि भदौरिया ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह घटना अंबाह कस्बे में राबिया नाम के एक किन्नर के घर शनिवार देर रात करीब दो बजे हुई, जहां चार अन्य किन्नर भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि लुटेरे छत के माध्यम से घर में घुसे, वहां मौजूद लोगों पर बंदूक तानकर बंधक बना लिया और आधे घंटे के भीतर 15 तोले सोने के आभूषण, चार किलोग्राम चांदी के गहने और चार लाख रुपए नकद ले गए। अधिकारी ने बताया कि लुटेरों ने तीसरे लिंग के लोगों का मजाक भी उड़ाया। अंबाह थाने के प्रभारी सतेंद्र सिंह कुशवाहा ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि लुटेरों ने इलाके की टोह ली थी। उन्होंने कहा, सभी पीड़ितों को एक कमरे में बंद कर दिया गया था। कुशवाहा ने कहा कि घर एक सुनसान इलाके में स्थित है और पुलिस संदिग्धों की पहचान करने के लिए आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

दोषसिद्धि से पहले जमानत प्राप्त करना नागरिक का अधिकार : पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। छात्र नेता उमर खालिद की जमानत नामंजूर किए जाने की पृष्ठभूमि में देश में उदारवादी मूल्यों के खतरे में पड़ने की चिंताओं के बीच देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने रविवार को यहां कहा कि दोषसिद्धि से पहले जमानत प्राप्त करना एक नागरिक का अधिकार है। इसके साथ ही पूर्व सीजेआई ने उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित कॉलेजियम व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और न्यायपालिका में आम नागरिक के भरोसे की बहाली और मजबूती के लिए नागरिक संस्थाओं से भी विशिष्ट व्यक्तियों को शामिल किए जाने का सुझाव दिया।

यहां 19वें जयपुर साहित्य महोत्सव में 'आइडियाज ऑफ जस्टिस' सत्र में वरिष्ठ पत्रकार वीर सांघवी द्वारा शुरूआत में ही उमर खालिद की जमानत का मुद्दा उठाए जाने पर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) चंद्रचूड़ ने कहा, दोषसिद्धि से पूर्व जमानत अधिकार का मामला है। हमारा कानून एक प्रकल्पना पर आधारित है और वह प्रकल्पना यह है कि कोई भी आरोपी व्यक्ति, अपराध सिद्ध होने तक निर्दोष है। विभिन्न मामलों का उदाहरण देते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि अगर आरोपी के समाज में लौट कर फिर से अपराध को अंजाम देने, सबूतों से छेड़छाड़ करने या जमानत का फायदा कानून के शिकंजे से भाग निकलने के लिए किए जाने की आशंका है, तो आरोपी को जमानत देने से इंकार किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, यदि ये तीनों आधार नहीं हैं, तो जमानत देनी ही होगी। मुझे लगता है कि जहां राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है, वहां अदालत का कर्तव्य है कि वह मामले की गहराई से पड़ताल करे। अन्यथा हो यह रहा है कि लोग वर्षों तक जेलों में बंद रहते हैं।

भारतीय आपराधिक न्याय प्रक्रिया में मामलों के निपटारे में देरी पर चिंता जाहिर करने के साथ ही उन्होंने कहा कि देश का संविधान सर्वोच्च कानून है और मामले में कोई ठोस अपवाद नहीं है तथा त्वरित सुनवाई में देरी है, तो आरोपी जमानत का अधिकारी है। सत्र और जिला अदालतों द्वारा जमानत नहीं दिए जाने को न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने चिंता का विषय बताया और कहा कि प्राधिकार के प्रति अविश्वास बढ़ा है और न्यायाधीशों को यह डर सताता है कि कहीं उनकी निष्ठा पर सवाल तो नहीं उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि जमानतों के मामले उच्चतम न्यायालय तक पहुंचते हैं।

उन्होंने सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं को स्थायी कमीशन प्रदान करने, समलैंगिकता को अपराध के दायरे से बाहर करने और 'चुनावी बांड' संबंधी उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए फैसलों को अपने कार्यकाल के परिवर्तनकारी बड़े फैसले बताया। न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम व्यवस्था में बदलाव संबंधी सवालों पर उन्होंने कहा कि सवाल पारदर्शिता सुनिश्चित करने का है और इसके लिए उन्होंने नागरिक संस्थाओं से विशिष्ट व्यक्तियों को शामिल किए जाने का सुझाव दिया और कहा कि इससे जनता का न्यायपालिका में भरोसा बहाल होगा। सेवानिवृत्ति के बाद कोई पद नहीं लेने संबंधी सवाल पर न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि इस समय वह बतौर नागरिक जिंदगी का आनंद उठा रहे हैं। उनसे उनके कार्यकाल के दौरान किसी मामले को लेकर अफसोस होने संबंधी

सवाल पर न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि देश को आजाद हुए 76 साल हो चुके हैं, लेकिन आज भी वैवाहिक बलात्कार को अपराध की श्रेणी में नहीं लाया जा सका है। उन्होंने इसके लिए कानून में बदलाव की पुरजोर वकालत की। साथ ही उन्होंने उच्चतम न्यायालय को जनता का न्यायालय बनाने के अपने प्रयासों पर खुशी जाहिर की। उनके कार्यकाल में ही उच्चतम न्यायालय की कार्यवाही का सीधा प्रसारण न केवल हिंदी भाषा में, बल्कि संविधान की आठवीं अनुसूची में दर्ज सभी भारतीय भाषाओं में शुरू किया गया।

भक्ति संध्या 'वीर आगमन' हेतु ऑडिशन हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन युवा संगठन द्वारा महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर सायंकालीन भक्ति संध्या 'वीर आगमन' हेतु ऑडिशन कार्यक्रम आदर्श कॉलेज में रविवार को आयोजित हुआ। वीर आगमन का फाइनल प्रस्तुतिकरण 31 मार्च को महावीर जन्मोत्सव पर किया जाएगा। प्रस्तुतियों का मूल्यांकन निर्णायक उमेश बर्मन, पुष्पा राठौड़ एवं कुशल पन्नानी ने किया। परामर्शक मीठालाल पावेचा एवं समन्वयक विकास पोरवाल ने प्रतिभागियों एवं आयोजन टीम का मार्गदर्शन किया। संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा ने सभी का स्वागत किया।

उपाध्यक्ष रितेश पामेचा ने बताया कि ऑडिशन के माध्यम से चयनित प्रतिभागी महावीर जन्म कल्याणक के मुख्य समारोह में अपनी भक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देंगे। मंत्री सुश्रुत चेलावत ने कहा कि वीर आगमन भक्ति संध्या का उद्देश्य युवाओं को धर्म, संस्कृति एवं भक्ति से जोड़ते हुए उन्हें अपनी प्रतिभा को सकारात्मक दिशा में प्रस्तुत करने का सशक्त मंच प्रदान करना है।

ऑडिशन में कुल 31 पंजीकृत प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवपर पर सायंकालीन भक्ति संध्या के सहचेयरमैन आशीष गुगलिया, दीपक दक व उनकी टीम उपस्थित थी। इसके अलावा संगठन के पूर्व पदाधिकारी व ट्रस्ट के सदस्य उपस्थित थे।

साड़ी वाकेथान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विजयनगर में महिलाओं के लिए साड़ी वाकेथान का आयोजन किया गया जिसमें 400 से ज्यादा महिलाओं ने भाग लिया। यह वाकेथान विजयनगर के मारुति मंदिर में भगवान की पूजा के साथ प्रारंभ होकर चंद्रा लेआउट स्थित राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ तक आयोजित हुआ जहां पर महिलाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति पर गर्व है। मुणोत ने विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। डॉ चंदना एम. ने मुणोत को सम्मानित किया।

बच्चों के जीवन में धर्म का बीज घर में ही रोपना होगा : डॉ. वरुणमुनि

गोवा/दक्षिण भारत। राष्ट्रसंत श्रमण संघीय उपप्रवर्तकश्री पंकजमुनिजी के सान्निध्य में आयोजित प्रवचन श्रृंखला में डॉ. वरुण मुनि जी ने आधुनिक समय की सबसे बड़ी चुनौती 'बच्चों और युवाओं को धर्म से जोड़ने' की सलाह दी । उन्होंने कहा कि आज मोबाइल, इंस्टाग्राम, व्हाटसएप्प और सोशल मीडिया के आकर्षण ने नई पीढ़ी को ज्ञान से अधिक मनोरंजन और भौतिकता की ओर मोड़ दिया है, जिससे वे धीरे-धीरे धर्म, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं। विद्यालयों में शिक्षा तो मिलती है, पर जीवन निर्माण, चरित्र, अनुशासन और मानवीय मूल्य सिखाने की कमी स्पष्ट दिखाई देती है। ङ्कसंतश्री ने बच्चों के विकास के तीन महत्वपूर्ण चरण बताए। उन्होंने कहा कि 7 वर्ष की आयु तक प्रेम और भावनात्मक पोषण द्वारा हृदय निर्माण, 7 से 14 वर्ष की आयु तक दिनचर्या एवं अनुशासन द्वारा मन और बुद्धि का विकास तथा 14 से 21 वर्ष की आयु तक कौशल, जिम्मेदारी और कर्म-निष्ठा द्वारा जीवन निर्माण का कार्य करना चाहिए। उन्होंने बच्चों को सही वातावरण, समय और दिशा देने की ज़रूरत पर जोर देते हुए कहा कि धर्म को जितना सरल, सहज और रुचिकर बनाया जाएगा, युवा उतने ही उत्साहपूर्वक जुड़ेंगे। अंत में मुनिश्री रूपेश मुनिजीने मधुर भक्ति-गीत प्रस्तुत कर सभा को भाव-विभोर किया और पंकज गुरुदेव ने सभी श्रद्धालुओं को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ से जुड़े जबरन वसूली गिरोह का भंडाफोड़

लुधियाना/भाषा। पंजाब पुलिस ने रविवार को दावा किया कि उसने 10 लोगों को गिरफ्तार करके विदेश में रहने वाले गैंगस्टर गोल्डी बराड़ से जुड़े एक अवैध हथियार और जबरन वसूली गिरोह को खत्म कर दिया है। लुधियाना के पुलिस आयुक्त स्वप्न शर्मा ने बताया कि उनके पास से दो ऑस्ट्रियन ग्लॉक पिस्तौल समेत 12 अत्याधुनिक हथियार, मैगजीन और कारतूस बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आरोपियों को तीन सप्ताह तक चले अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया। आयुक्त ने कहा कि उन्हें राज्य में अराजकता फैलाने के लिए अवैध हथियारों की तस्करी, जबरन वसूली और हत्याओं का काम सौंपा गया था। पुलिस के अनुसार भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं और शेष आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए जांच जारी है। शर्मा ने कहा कि आरोपियों की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि वे हरियाणा के गुरुग्राम में एक अपराध को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे।

युवा जम्मू-कश्मीर का भविष्य संवारने का संकल्प लेकर पूरे समर्पण के साथ काम करें: सिन्हा

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को युवाओं से केंद्र-शासित प्रदेश के लिए उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का संकल्प लेने और इस दिशा में समर्पण के साथ काम करने का आह्वान किया। सिन्हा ने कहा कि इतिहास उन लोगों को याद रखता है, जिन्होंने सीमाओं को चुनौती देने का साहस दिखाया, डर पर जीत हासिल की और असंभव को संभव में बदल दिया। उन्होंने सांबा जिले के गुरहा सलाथिया में युवा विकास के लिए मार्गदर्शन और करियर परामर्श प्रकोष्ठ के सातवें वार्षिक दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को नए विचार अपनाने चाहिए और स्वरोजगार के अवसर पैदा करने चाहिए। उपराज्यपाल ने कहा, युवाओं को बड़े सपने देखने चाहिए, ऊंचे लक्ष्य रखने चाहिए और पूरे साहस एवं अटूट संकल्प के साथ उन्हें हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए। आपका भविष्य आपका इंतजार कर रहा है। जम्मू-कश्मीर के लिए एक उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का संकल्प लें और इस दिशा में समर्पण के साथ काम करें।

लाडो लक्ष्मी योजना में बार-बार बदलाव करना महिलाओं के साथ विश्वासघात : सैलजा

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा ने रविवार को आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार की ओर से लाडो लक्ष्मी योजना में बार-बार बदलाव किया जाना महिलाओं के साथ विश्वासघात है।कांग्रेस महासचिव सैलजा ने कहा कि 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार ने सत्ता में आने पर राज्य की सभी महिलाओं को प्रति माह 2,100 रुपए देने का वादा किया था, लेकिन एक साल से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बाद भी सरकार लगातार अपने वादे से पीछे हट रही है। सिरसा से सांसद सैलजा ने कहा कि योजना में बार-बार बदलाव किए जा रहे हैं, जो महिलाओं के साथ विश्वासघात है। उन्होंने कहा, शुरू में यह शर्त लागू की गई थी कि एक लाख रुपए से अधिक की वार्षिक आय वाली महिलाएं इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगी। बाद में उन्होंने कहा कि पात्र महिलाओं को दी जाने वाली राशि हर तीन महीने में किस्त के रूप में जमा की जाएगी। सैलजा ने कहा, सरकार ने एक और बदलाव किया है, जिसमें कहा गया है कि केवल गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के परिवारों की महिलाओं को ही इसका लाभ मिलेगा... अब, तीसरी बार सरकार ने एक और बदलाव की घोषणा की है, जिसके तहत सभी महिलाओं को केवल 1,100 रुपए मिलेंगे, जबकि शेष 1,000 रुपए लंबी अवधि के लिए सावधि जमा (एफडी) के रूप में रखे जाएंगे। सैलजा ने मांग की कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व वाली सरकार बिना किसी शर्त के अपने मूल वादे को पूरा करे और राज्य की सभी महिलाओं को तुरंत 2,100 रुपए प्रति माह देना शुरू करे।

हरियाणा के मंत्री राव नरबीर ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत पर तंज कसा

गुरुग्राम/भाषा। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने रविवार को केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह पर तंज कसते हुए कहा कि उनका राजनीतिक करियर उन्हें (इंद्रजीत) 1987 में जतूसाना विधानसभा चुनाव में हराने के बाद शुरू हुआ था। राव नरबीर ने यह बात एक संवाददाता सम्मेलन में कही, जब वह 2009 के चुनाव को लेकर राव इंद्रजीत के बयान का जवाब दे रहे थे। यह संवाददाता सम्मेलन विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम को लेकर आयोजित किया गया था। राव नरबीर ने कहा कि 1987 में उन्होंने जतूसाना विधानसभा सीट से राव इंद्रजीत को हराकर राजनीति में प्रवेश किया था। राव नरबीर ने कहा कि जतूसाना को इंद्रजीत का राजनीतिक गढ़ माना जाता था, लेकिन उन्हें वहां हार का सामना करना पड़ा।

डुबकी

प्रयागराज में रविवार को 'श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़ा' के 'नागा साधु' उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे माघ मेला के दौरान 'मौनी अमावस्या' के मौके पर संगम में पवित्र डुबकी लगाने पहुंचे।

अदालत ने 7.65 रुपए की चोरी का मामला पांच दशक के बाद बंद किया

मुंबई/भाषा। मुंबई की एक अदालत ने 7.65 रुपए की चोरी के लगभग 50 साल पहले के एक मामले को बंद कर दिया है। वर्ष 1977 के इस अनसुलझे मामले में दो अज्ञात आरोपी और एक शिकायतकर्ता शामिल थे, जो दशकों तक पुलिस की तलाशी के बावजूद लापता रहे।

यह फैसला दशकों पुराने मामलों में हाल के फैसलों में से एक है जो लंबे समय से ठंडे बस्ते में पड़े हैं। मझगांव अदालत ने पुराने मामलों के निपटारे के अपने प्रयास के तहत 1977 के मामले को बंद कर दिया, जिसके आरोपियों की या तो मृत्यु हो चुकी है, अज्ञात हैं या उनका पता नहीं लगाया जा सका है। वर्ष 1977 के चोरी के इस मामले में दो अज्ञात व्यक्तियों पर 7.65 रुपए चुराने का आरोप था, जो पांच दशक पहले एक बड़ी रकम थी। हालांकि, गैर-जमानती वारंट जारी होने के बावजूद दोनों का पता नहीं चल सका, जिसके कारण मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (मझगांव अदाल) आरती कुलकर्णी ने 14 जनवरी को मामले को बंद करते हुए कहा कि यह मामला लगभग 50 साल पुराना है और बिना किसी प्रगति के अनावश्यक रूप से लंबित रहा था।अदालत ने अपने आदेश में कहा, जरूरत से ज्यादा समय बीत चुका है। मामले को लंबित रखने का कोई मतलब नहीं है। इसने दोनों आरोपियों को बरी कर दिया जिनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 379 (चोरी) के तहत मामला दर्ज किया गया था और निर्देश दिया कि चोरी की गई 7.65 रुपए की राशि शिकायतकर्ता को लौटा दी जाये।अदालत ने आदेश में कहा, यदि सूचना देने वाला नहीं मिलता है, तो अपील की अवधि पूरी होने के बाद यह राशि सरकारी खाते में जमा कर दी जायेगी। इसी तरह, 30 साल पुराने एक मामले में एक मजिस्ट्रेट अदालत ने भारतीय पासपोर्ट अधिनियम और विदेशी अधिनियम के तहत मामले के एक आरोपी को यह कहते हुए बरी कर दिया कि 1995 में आरोप पत्र दाखिल किए जाने के बाद से वह लापता है।

वर्ष 2003 में लापरवाही से वाहन चलाने के एक मामले में भी मजिस्ट्रेट की अदालत में ऐसा ही हाल हुआ, क्योंकि पुलिस रिपोर्ट ने इसकी पुष्टि की कि ना केवल आरोपी, बल्कि मूल सूचना देने वाला और सभी गवाह भी अब लापता हैं। आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 279 और 338 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

अदालत ने कहा कि आरोपी को निकट भविष्य में ढूंढे जाने की कोई संभावना नहीं है, और यह भी माना कि मामले को अनिश्चितकाल तक जारी रखना अनुचित होगा।

चैकिंग

वाराणसी में रविवार को असिस्टेंट टीचर (ट्रेंड ग्रेजुएट) एग्जाम देने से पहले वाराणसी के एक सेंटर पर उम्मीदवार सिक्योरिटी चेक से गुज़रते हुए।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सात गैर-हिंदी भाषाओं की कृतियों के लिए साहित्य पुरस्कार की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने तमिल, तेलुगु, बांग्ला और मराठी सहित विभिन्न भाषाओं में सर्वश्रेष्ठ कृतियों के लिए वार्षिक साहित्य पुरस्कार की रविवार को घोषणा की और साहित्य अकादमी पुरस्कारों में कथित राजनीतिक हस्तक्षेप के लिए केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की। स्टालिन ने बताया कि राज्य सरकार के तत्वावधान में दिए जाने वाले इस पुरस्कार में पांच लाख रुपये का नकद पुरस्कार शामिल होगा और इसका नाम सेमोई इलक्किया विरुद्धु (शास्त्रीय भाषा साहित्य पुरस्कार) रखा गया है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, उड़िया, बांग्ला और मराठी भाषा की सर्वश्रेष्ठ कृतियों के लिए पुरस्कार दिए जाएंगे।

चेन्नई अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले (सीआईबीएफ-2026) के समापन समारोह में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा हाल में रद्द कर दी गई थी और यह निराशाजनक था। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के हस्तक्षेप के कारण हुआ। पुरस्कारों को लेकर व्याप्त अनिश्चितता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, कला और साहित्य पुरस्कारों में राजनीतिक हस्तक्षेप खतरनाक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परिस्थितियों में कई लेखकों और कला/साहित्यिक निकायों के प्रतिनिधियों ने उनसे एक उपयुक्त, रचनात्मक, जवाबी योजना के लिए अपील की थी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार की ओर से प्रत्येक वर्ष चुनिंदा भारतीय भाषाओं में सर्वश्रेष्ठ साहित्यिक कृतियों के लिए राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि पहले चरण में, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, उडिया, बांग्ला और मराठी भाषाओं में सर्वश्रेष्ठ कृतियों के लिए सेमोई इलक्किया विरुद्धु पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रत्येक भाषा की कृति के लिए पांच लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। तमिलनाडु सरकार संरक्षक की भूमिका सहर्ष निभाएगी और चयन प्रक्रिया का कार्य स्वतंत्र विशेषज्ञों को सौंपेगी।

स्टालिन ने कहा, साहित्यिक कृतियों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक भाषा के लिए एक समिति (पुरस्कार विजेताओं का चयन करने के लिए) गठित की जाएगी, जिसमें प्रतिष्ठित लेखक शामिल होंगे। स्टालिन ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार ने हर घर तक ज्ञान पहुंचाने के लिए कई पहल की हैं और पुस्तक मेला एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री मोदी 23 को तमिलनाडु में राजग के चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे : नैनार नागेंद्रन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अभियान की शुरुआत 23 जनवरी को मदुरांतकम से करेंगे। भाजपा विधायक दल के नेता नैनार नागेंद्रन ने रविवार को यह जानकारी दी। नागेंद्रन ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री दोपहर में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे, जिससे राज्य में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के खिलाफ राजग के चुनाव अभियान की औपचारिक शुरुआत होगी। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23 जनवरी को मदुरांतकम में राजग के चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। वह जनसभा के माध्यम से तमिलनाडु में सत्ता में बैठी द्रमुक सरकार को विदा करने का संदेश देंगे।''

राजग के सहयोगी दलों की अंतिम सूची, खासकर टीटीवी दिनाकरण की अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके), ओ पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) और देशीय द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमडीके) को शामिल किए जाने के बारे में पूछे जाने पर नागेंद्रन ने चुप्पी साधे रखी। हालांकि, उन्होंने तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शानदार प्रदर्शन का भरोसा दिलाया। जब नागेंद्रन से पूछा गया कि क्या दिनाकरण मंच पर मौजूद होंगे, तो उन्होंने कहा, आप यह 23 जनवरी को मंच पर देख लेंगे। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान सभी नेताओं को मंच पर स्थान मिलेगा।

द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच चुनावी वादों की नकल को लेकर जारी जुबानी जंग पर नागेंद्रन ने कहा कि हर घोषणापत्र अलग होता है। हाल ही में द्रमुक ने आरोप लगाया था कि महिलाओं के लिए मासिक वित्तीय सहायता बढ़ाने का अन्नाद्रमुक का वादा उसकी (द्रमुक की) ही योजना की 'फोटोकॉपी' है। नागेंद्रन ने कहा, इसे नकल नहीं कहा जा सकता। ईपीएस (एडप्पादी के पलानीस्वामी) ने पिछले चुनाव में भी 1,500 रुपये देने का वादा किया था। अब यह राशि बढ़ाकर 2,000 रुपये कर दी गई है। केवल घोषणापत्र में जिक्र किए जाने मात्र से इसे नकल नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि लोगों की सोच में बड़ा बदलाव आने वाला है।

नागेंद्रन ने होसुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना की अनुमति खारिज किए जाने संबंधी खबरों का भी खंडन किया। इस बीच, भाजपा की वरिष्ठ नेता तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने कहा कि प्रधानमंत्री की इस यात्रा से 2026 में भाजपा की जीत की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा, लोगों को राजग से बहुत उम्मीदें हैं। अन्नाद्रमुक पर चुनावी वादों की नकल करने के द्रमुक के आरोपों का जवाब देते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि द्रमुक देश की सबसे बड़ी नकलची पार्टी है। उन्होंने कल्याणकारी योजनाओं के विस्तार का समर्थन करते हुए कहा, जब कोई नयी सरकार सत्ता में आती है, तो लोगों के लाभ के लिए मौजूदा योजनाओं का विस्तार करना ही उचित है, न कि उन्हें अचानक बंद कर देना जैसा कि द्रमुक ने 'गोल्ड फॉर थाली' योजना के साथ किया था।

अन्नाद्रमुक 25 को 'वीरा वणक्का नाल' सभा आयोजित करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ईके पलानीस्वामी ने रविवार को कहा कि 1965 में तमिलनाडु में हिंदी विरोधी आंदोलन के दौरान अपनी जान देने वाले भाषा शहीदों की याद में अन्नाद्रमुक की छात्र इकाई 25 जनवरी को वीरा वणक्का नाल' सभा आयोजित करेगी। अन्नाद्रमुक की ओर से रविवार को जारी बयान में उन वक्ताओं की सूची भी जारी की गई, जो जिलों का दौरा करके सार्वजनिक सभाओं को संबोधित करेंगे।

पलानीस्वामी ने कहा, हिंदी भाषा को जबरन थोपे जाने के खिलाफ संघर्ष में अपनी जान देने वाले भाषा शहीदों को याद करने और उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए 25 जनवरी को अन्नाद्रमुक छात्र इकाई की ओर से 'वीरा वणक्का नाल'' सभा आयोजित की जाएगी। जिन लोगों ने अपनी जान दी, उन्हें श्रद्धांजलि देना हमारा कर्तव्य है। पलानीस्वामी ने पार्टी की विभिन्न संबद्ध इकाइयों से इन सभाओं में हिस्सा लेने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, भाषा शहीदों को सम्मान देना हमारा कर्तव्य है। राज्य भर के जिलों में आयोजित होने वाली जनसभाओं में विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक और पार्टी के संबद्ध संगठन भाग लेंगे।

पलानीस्वामी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से 25 जनवरी को छात्र संगठन की ओर से एक रैली निकालने और हिंदी विरोधी आंदोलन में जान गंवाने वाले लोगों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित करने की अपील की।

सत्ता भागीदारी पर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने नेताओं से राय ली, अनुशासन बनाए रखने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ सत्ता साझाकरण समझौते की कांग्रेस नेताओं के एक वर्ग की मांग के बीच पार्टी ने शनिवार को कहा कि आलाकमान ने सभी चिंताओं पर ध्यान दिया है और उचित समय पर निर्णय लिया जाएगा। कांग्रेस ने राज्य के नेताओं को अनुशासन बनाए रखने और चुनाव रणनीति से संबंधित मामलों पर सोशल मीडिया सहित किसी भी अन्य मंच पर बयान देने से बचने को भी कहा।

इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में पार्टी के इंदिरा भवन मुख्यालय में बैठक हुई। बैठक में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव व संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल, तमिलनाडु के पार्टी प्रभारी गिरीश चूडांकर, कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई, सांसद पी. चिदंबरम, मणिकम टैगोर, कार्ति चिदंबरम, ज्योतिमणि, वी वसंत और प्रोफेशनल्स कांग्रेस के प्रमुख प्रवीण चक्रवर्ती सहित अन्य लोग उपस्थित थे। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमने तमिलनाडु के अपने नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। हमें विश्वास है कि तमिलनाडु के लोग संघ-भाजपा की कट्टरता, सांप्रदायिकता, संघ-विरोधी और भेदभावपूर्ण राजनीति के बजाय समानता, सामाजिक न्याय, सशक्तीकरण और सुशासन को चुनेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। वेणुगोपाल ने बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने तमिलनाडु के नेताओं के साथ सामूहिक बैठक के साथ-साथ व्यक्तिगत बैठकें भी कीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ बहुत विस्तृत व सार्थक चर्चा की। वेणुगोपाल ने कहा, नेतृत्व ने सभी नेताओं की बात धैर्यपूर्वक सुनी। नेताओं को अपने विचार खुलकर व्यक्त करने का पूरा अवसर दिया गया। चर्चा रचनात्मक रही और यह तमिलनाडु में पार्टी को मजबूत करने तथा उसकी भविष्य की रणनीति पर केंद्रित थी। उन्होंने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से खरगे और राहुल गांधी को निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया। वरिष्ठ नेता ने एक बयान पढ़ते हुए कहा, चुनाव रणनीति संबंधी मामलों में, पार्टी विचारधारा और तमिलनाडु की जनता के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय समय आने पर लेगी। उन्होंने कहा कि आलाकमान ने सभी नेताओं को अनुशासन बनाए रखने और इन मामलों पर सोशल मीडिया समेत किसी भी मंच पर बयान देने से परहेज करने का स्पष्ट निर्देश जारी किया है। वेणुगोपाल ने यह भी कहा कि नेताओं को अटकलों से बचने और पार्टी के फैसलों के अनुरूप एकमत होकर बोलने की सलाह दी गई है। उन्होंने राज्य के नेताओं द्वारा चुनाव से पहले द्रमुक के साथ सत्ता भागीदारी समझौते की मांग किए जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि नेतृत्व ने नेताओं की चिंताओं को सुना है और सभी बातों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया जाएगा। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने पुडुचेरी के कांग्रेस नेताओं से भी मुलाकात की, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री वी. नारायणसामी और कांग्रेस की पुडुचेरी इकाई के अध्यक्ष वी वैथिलिंगम शामिल थे।

पूर्व माकपा विधायक एस. राजेंद्रन भाजपा में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पूर्व विधायक एस. राजेंद्रन रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर से पार्टी की सदस्यता स्वीकार की। इडुक्की जिले के एक अनुभवी नेता राजेंद्रन ने 2006 से 2021 तक देविकुलम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें पार्टी में शामिल करने का कार्यक्रम भाजपा के राज्य मुख्यालय में हुआ, जहां राजेंद्रन के साथ माकपा नेता गुरुनादन और कुट्टानाड से माकपा नेता संतोष सहित तीन अन्य नेता भी भाजपा में शामिल हुए। इस मौके पर राजेंद्रन ने कहा कि वह पिछले चार से पांच वर्षों से पार्टी की राजनीति में सक्रिय नहीं रहे हैं, लेकिन जनता के बीच काम करना जारी रखा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा में शामिल होने का निर्णय उन्होंने अकेले नहीं लिया बल्कि अपने करीबी लोगों से विचार-विमर्श के बाद लिया है। राजेंद्रन ने कहा कि भाजपा नेताओं से मिलने का उनका निर्णय बागानों और बागान श्रमिकों से संबंधित मुद्दों से जुड़ा था। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रुख से प्रभावित हुए और कहा कि भाजपा सरकार के तहत बागान श्रमिकों की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

इस बीच, भाजपा नेताओं ने कहा कि आठ फरवरी को मुन्नार में होने वाले एक कार्यक्रम में लगभग 100 लोगों के पार्टी में शामिल होने की उम्मीद है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि राजेंद्रन से पहली बार मुलाकात के बाद पूर्व विधायक ने विश्वास व्यक्त किया था कि केवल भाजपा ही राज्य की समस्याओं का समाधान कर सकती है। चंद्रशेखर ने केरल को तीन नई रेलगाड़ियां आवंटित करने के लिए रेल मंत्री और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा आगामी चुनावों में विकास, सुरक्षा और लोगों की आस्था की रक्षा के मुद्दों पर प्रचार करेगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि माकपा के राज्य सचिव एम ए बेबी और कांग्रेस नेता रॉबर्ट वाद्रा ने ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान का समर्थन करने वाला बयान दिया था और दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) केरल में जमात-ए-इस्लामी का समर्थन करता है।

अन्नाद्रमुक के चुनावी वादे द्रमुक की योजनाओं की 'फोटोकॉपी' हैं : मंत्री टीआरबी राजा

चेन्नई। तमिलनाडु के मंत्री टीआरबी राजा ने विपक्षी अन्नाद्रमुक की कड़ी आलोचना करते हुए उनके हाल ही में घोषित चुनावी वादों को द्रमुक सरकार की पहले से मौजूद पहलों की नकल बताया। उद्योग मंत्री ने शनिवार को एक बयान में दावा किया कि अन्ना द्रमुक आए दिन सत्तारूढ़ द्रमुक के घोषणापत्र की ''फोटोकॉपी'' करती है।

उन्होंने कहा, ''हर चुनाव में द्रमुक का घोषणापत्र एक नायक के रूप में सामने आता है। अन्नाद्रमुक के लिए यह एक नियमित प्रक्रिया बन गई है कि वे द्रमुक के घोषणापत्र की हूबहू नकल करके उसे अपना घोषणापत्र बताकर जारी कर देते हैं।''

उन्होंने विपक्षी दल की नवीनतम घोषणाओं को मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की 'द्रविड़ मॉडल' सरकार के तहत पहले से ही जारी योजनाओं की ''नकल'' बताया। मंत्री की यह प्रतिक्रिया अन्नाद्रमुक के संस्थापक एम जी रामचंद्रन की 109वीं जयंती के अवसर पर 17 जनवरी को पलानीस्वामी द्वारा की गई घोषणा के बाद आई है।

पलानीस्वामी के चुनावी वादों में प्रत्येक राशन कार्ड धारक परिवार को 2,000 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता, शहर की बसों में यात्रा करने वाले पुरुषों के लिए मुफ्त बस यात्रा आदि बातें शामिल हैं।

करूर भगदड़ मामला : टीवीके प्रमुख विजय सीबीआई के समक्ष पेश होने के लिए दिल्ली रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ की घटना के सिलसिले में पूछताछ के लिए 19 जनवरी को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष पेश होने के वास्ते रविवार को दिल्ली रवाना हुए। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि अभिनय से राजनीति में आए विजय ने शाम 4:15 बजे विशेष विमान से राष्ट्रीय राजधानी के लिए उड़ान भरी। विजय से 12 जनवरी को सीबीआई मुख्यालय में छह घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी और उन्हें अगले दिन फिर से पेश होने के लिए कहा गया था, लेकिन अभिनेता ने फसल उत्सव पोंगल का हवाला देते हुए दूसरी तारीख मांगी थी।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निम्नलिखित ई-निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें और निविदा के लिए कोट करें और निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन पर विचार नही किया जाएगा।

खुली निविदा सं.	मद का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य (रु.)
2026499212083	एलडब्ल्यूएसीसीडब्ल्यू और एलडब्ल्यूएस-सीजेडएसी कोचों में फ्लोरिंग, पैनलिंग, प्लंबिंग और इंटीरियर फिटिंग के इंस्टॉलेशन सहित इंटीरियर फर्निशिंग कार्य (मैकेनिकल) करने के लिए कार्य अनुबंध।	1,36,36,135.46
2026499212084	एलडब्ल्यूएलआरआरएम कोचों में फ्लोरिंग, पैनलिंग, सीलिंग,प्लंबिंग, इंटीरियर पेंटिंग के काम और इंटीरियर दरवाजों, फिटिंग्स, एचपीएल पैनल, डॉग बाक्स, खाना और पानी की ट्रे की व्यवस्था सहित पूरे इंटीरियर फर्निशिंग कार्य (मैकेनिकल) के लिए कार्य अनुबंध।	1,48,88,684.25
2026499212086	एलडब्ल्यूएफएसी कोच और एलडब्ल्यू-सीबीएसी कोच में फ्लोरिंग, पैनलिंग, प्लंबिंग और इंटीरियर फिटिंग के इंस्टॉलेशन सहित इंटीरियर फर्निशिंग (मैकेनिकल) कार्य करने के लिए कार्य अनुबंध।	1,26,64,910.74

निविदा बंद होने की तारीख : 12.02.2026 को 14.45 बजे/खुलने की तारीख 12.02.2026 को 15.00 बजे ऊपर दिए गए विज्ञापन का हिंदी संस्करण www.icf.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/फर -III

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निम्नलिखित ई-निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉगइन करें और इन निविदाओं के लिए बोली लगाऐ। इस निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन पर विचार नही किया जाएगा।

क्र. सं.	खुली निविदा सं.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	लगभग मूल्य (रुपये में)	निविदा की तरीख, समय
1	2026377212089	शेल फैक्ट्री में क्रेन गर्डर और क्रेन रेल, ट्रैवर्सर रेल लीक टेस्ट प्लांट के रखरखाव के लिए 2 साल का सेवा अनुबंध।	₹ 0.75 करोड़	16.02.2026 @10.30 बजे
2	2026377212090	फर्निशिंग और एलएचबी फैक्ट्री में क्रेन गर्डर और क्रेन रेल, ट्रैवर्सर रेल, लीक टेस्ट प्लांट के रखरखाव के लिए 2 साल का सेवा अनुबंध।	₹ 1.29 करोड़	16.02.2026 @10.30 बजे
3	2026377212091	अन्नानगर यार्ड में थिरुमंगलाम रोड को पार करने वाली आईसीएफ पटरियों के ऊपर आरओबी का निर्माण।	₹ 23.87 करोड़	20.02.2026 @10.30 बजे
4	2026377212092	क्लाईमेट टेस्ट चैंबर सुविधाओं के साथ क्रेन गर्डर, ट्रैक, निरीक्षण, गड्ढा, जीएलआर और साइकिल शेड सहित शेड का निर्माण।	₹ 3.23 करोड़	16.02.2026 @10.30 बजे

विज्ञापन का हिंदी अनुवाद वेबसाइट www.icf.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।

हमारी संसाधनों को पूजने वाली संस्कृति बहुत महत्वपूर्ण : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि आज जब पूरा विश्व संसाधनों की कमी से जूझ रहा है ऐसे में हमारी संसाधनों को पूजने वाली संस्कृति बहुत महत्वपूर्ण है। आज ऊर्जा के स्त्रोत पेट्रोल, डीजल, कोयला, पानी, शुद्ध वायु निरन्तर कम होते जा रहे हैं। ऐसे में मानवता को बचाने के लिए ऊर्जा के नए स्त्रोत काम में लिए जा रहे हैं। उनमें से एक बहुत बड़ा स्त्रोत भगवान सूर्य की ऊर्जा का उपयोग भी है और सम्पूर्ण भारत में इसका विकास तीव्र गति से हो रहा है।

स्पीकर देवनानी रविवार को यहां वी.टी. रोड ग्राउण्ड मानसरोवर में भारत रिन्यूएबल एक्सपो 2026 के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने पीएम सूर्यघर पुरस्कार प्रदान किए। स्पीकर देवनानी ने कहा कि राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा प्रदेश होने के साथ खनिज सौर ऊर्जा की उपलब्धता वाला बड़ा प्रदेश है। सीमावर्ती जिले बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, फलोदी इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

देवनानी ने कहा कि यह आयोजन केवल एक एक्सपो नहीं, बल्कि भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य की दिशा में एक मजबूत संकल्प और साझा प्रयास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि चिन्तन-मनन और विचार करें, पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, ऐसे समय में भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से अग्रसर है।

स्पीकर देवनानी ने कहा है कि राजस्थान को प्रकृति ने प्रचुर सूर्य प्रकाश और विशाल भू-भाग का वरदान दिया है। यही कारण है कि आज राजस्थान देश के अग्रणी सोलर और विंड एनर्जी उत्पादक राज्यों में शामिल है। थार के मरुस्थल से लेकर राज्य के विभिन्न अंचलों तक, सोलर पार्क, विंड फार्म और हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स न केवल ऊर्जा उत्पादन कर रहे हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और विकास के नए अवसर भी सृजित कर रहे हैं।

स्पीकर देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बनाई गई प्रगतिशील नीतियाँ, निवेश के अनुकूल वातावरण और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर ने राजस्थान को रिन्यूएबल एनर्जी निवेश का एक प्रमुख केंद्र बना दिया है। ग्रीन हाइड्रोजन, बैट्री स्टोरेज और ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में भी राजस्थान अपार संभावनाओं वाला राज्य है। समारोह में विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

'लोकतंत्र कैसे क्षतिग्रस्त होता है, यह गहलोत को बेहतर पता होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लोकतंत्र को कुचलने के विपक्ष के आरोप को खारिज करते हुए रविवार को कहा कि लंबे समय से लागू प्रक्रियात्मक दिशा-निर्देशों को लेकर झूठा विमर्श गढ़ा जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाया कि नए दिशा-निर्देश विधायकों के अधिकारों और संसदीय लोकतंत्र के क्षरण के बराबर है। गहलोत की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने रविवार को यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री का सम्मान करते हैं, लेकिन लगता है कि सत्र पूर्व जारी बुलेटिन को ध्यान से नहीं पढ़ा गया। देवनानी ने कहा, लोकतंत्र की हत्या जैसे आरोप गंभीर हैं। लोकतंत्र कैसे क्षतिग्रस्त होता है, यह गहलोत को बेहतर पता होगा।

गहलोत ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में दिशा-निर्देशों को दुर्भाग्यपूर्ण और संसदीय लोकतंत्र की भावना के विपरीत बताया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि एक विधायक केवल अपने क्षेत्र का नहीं बल्कि पूरे राज्य का प्रतिनिधित्व करता है और उसे राज्य स्तर के नीतिगत विषयों या पांच साल पुराने मामलों पर प्रश्न पूछने से रोकना और मंत्रियों को जवाबदेही से 'छूट' देना, सदन की गरिमा को कम करने जैसा है। गहलोत ने कहा, लोकतंत्र में विपक्ष और विधायकों का काम सरकार की जवाबदेही तय करना है। यदि प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता ही नहीं रहेगी, तो विधानसभा का औचित्य क्या रह जाएगा। विधायिका का काम कार्यपालिका पर अंकुश रखना है, न कि कार्यपालिका की सुविधा अनुसार अपने अधिकार कम करना। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि ऐसा आदेश संभवतः देश में पहली बार जारी किया जा रहा है, जिसमें विधायकों के अधिकारों को कम किया जा रहा है।

गहलोत ने कहा कि अन्य विधानसभाएं अपने सदस्यों के अधिकार बढ़ाने का प्रयास करती हैं, लेकिन यहां इसके विपरीत देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, विधायकों को राज्य स्तर के सवाल पूछने से रोकना और मंत्रियों को जवाबदेही से मुक्त करना लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत है। ऐसे आदेश को अविलंब वापस लेना चाहिए। इन दावों का खंडन करते हुए देवनानी ने स्पष्ट किया कि जिस बुलेटिन पर सवाल उठाया जा रहा है, वह नया नहीं है। उन्होंने 2020 के बुलेटिन संख्या 26 का हवाला दिया, जिसमें ऐसे ही प्रावधान थे।

देवनानी ने कहा, यदि ये निर्देश 2020 से लागू हैं तो 2026 में इसे मुद्दा क्यों बनाया जा रहा है? उन्होंने यह भी बताया कि उस समय टीकाराम जूली कैबिनेट मंत्री थे और उन्होंने कोई आपत्ति नहीं जताई थी। जूली अब विपक्ष के नेता दिशा-निर्देशों में प्रयुक्त शब्द तुच्छ को लेकर उठी आपत्तियों पर देवनानी ने कहा कि यह शब्द लोकसभा नियमावली और अन्य विधानसभाओं से लिया गया है। उन्होंने बताया कि यह शब्द 1952 से लोकसभा के दिशा-निर्देशों में और 1956 से कई राज्य विधानसभाओं में प्रयुक्त होता रहा है। देवनानी ने कहा कि प्रक्रियात्मक नियम बनाने का पूरा अधिकार विधानसभा अध्यक्ष को है। अध्यक्ष ने यह भी कहा की कि 27 जनवरी को उनके कक्ष में सर्वदलीय बैठक होगी। उन्होंने सभी दलों से इसमें शामिल होकर सुझाव देने की अपील की, ताकि सदन का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

अतिथि देवो भवः हमारी परंपरा, राजस्थान शौर्य और वीरता की मिसाल : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) के उपरांत भ्रमण कार्यक्रम के तहत प्रतिनिधिमंडल के जयपुर आगमन पर में कांस्टीट्यूशन क्लब में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रात्रिभोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने संबोधन में कहा कि सीएसपीओसी का 28वां सम्मेलन भारत की मेजबानी में हो रहा है। यह आयोजन भारत की अतिथि देवो भवः की महान परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत एक विशाल और विविधताओं से भरा देश है, जहां भौगोलिक विविधता, भाषाओं की विविधता, खानपान की विविधता के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत की समृद्धता भी अद्वितीय है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत के विभिन्न राज्यों में अत्यंत प्राचीन सभ्यताएं और समृद्ध परंपराएं आज भी जीवंत हैं। उन्होंने राजस्थान की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां विशाल रेगिस्तान, भव्य महल, नदियां, बावड़ियां मौजूद है। राजस्थान शौर्य और वीरता की भूमि है। यहां महाराणा प्रताप ने शत्रुओं से संघर्ष करते हुए भी अपने आत्मसम्मान से कभी समझौता नहीं किया। बिरला ने इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का हार्दिक अभिनंदन किया और इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए राज्य सरकार का विशेष आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि इस आतिथ्य का अवसर मिलना हमारे लिए गर्व का विषय है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संवाद एवं पारस्परिक मिलन से विभिन्न देशों के लोग सांस्कृतिक रूप से एक-दूसरे के निकट आते हैं और इससे आपसी आत्मीयता और भाईचारे को बढ़ावा मिलता है।

देवनानी ने कहा कि राजस्थान में शौर्य, साहस, अतिथि-सत्कार, परंपरा और जीवटता का अनूठा संगम देखने को मिलता है। यह प्रदेश अपने विशिष्ट भूगोल और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद विकास, जनकल्याण एवं प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। उन्होंने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पधारो म्हारे देश की भावना के साथ राजस्थान की धरती पर आप सभी का स्वागत है।

नागौर में पशु तस्करी के संदेह में ग्रामीणों ने चार युवकों को पकड़ा

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में ग्रामीणों ने पशु तस्करी के संदेह में चार युवकों को पकड़कर उनकी कथित रूप से पिटाई कर दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार रात को रियान बड़ी क्षेत्र के थावला थाना इलाके के लाडपुरा गांव में हुई। ग्रामीणों ने युवकों की पिटाई की और उनके सिर मुंड दिए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों ने चार युवकों को लाडपुरा गांव के छापर क्षेत्र में गायों को इकट्ठा करते हुए देखा, जिससे गो तस्करी का संदेह हुआ।

उनके मुताबिक, पूछताछ में युवकों ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि वे गायों को बेचने के लिए इकट्ठा कर रहे थे और पहले भी इसी तरह की गतिविधियों में शामिल रहे हैं। जैसे ही पशु तस्करी की सूचना फैली, बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए और गुस्से में युवकों की पिटाई कर दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि युवकों की पहचान लाडपुरा निवासी दिनेश सातिया, ओमप्रकाश सातिया और कालू सातिया तथा प्रकाश धनका के रूप में हुई है। उनके मुताबिक, चारों को हिरासत में ले लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

जनजातीय शिक्षा को नई दिशा, एकलव्य स्कूल बने उम्मीद की रोशनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य के सुदूर जनजाति अंचलों में एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल (ईएमआरएस) शिक्षा, समरसता और सामाजिक सुरक्षा के क्षितिज पर सूरज की तरह चमक रहे हैं। राज्य के 31 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के बच्चे नीट, आईआईटी, जेईई जैसी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, कंप्यूटर लैब, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जैसे नवाचार जनजातीय बालक-बालिकाओं के सपनों में नए रंग भर रहे हैं।

ईएमआरएस में पढ़ रहे 11 हजार 619 अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं की प्रतिभा की रोशनी से जनजाति क्षेत्रों में हजारों घर-परिवार भी उम्मीदों से रोशन हैं। इनमें 6 हजार 710 बालक और 4 हजार 909 बालिकाएं शामिल हैं। अभावों में अपने बच्चों के भविष्य को लेकर आशंकित माता-पिता की आंखों में नौनिहालों के सुनहरे भविष्य की चमक और चेहरे पर आत्मविश्वास की झलक साफ देखी जा सकती है। राज्य के ईएमआरएस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित भविष्य की गारंटी का असर है कि सत्र 2024-25 में 9 हजार 999 बच्चों के मुकाबले शैक्षणिक सत्र 2025-26 में 1 हजार 620 अधिक विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। प्रवेश परीक्षा में बैठने वाले बच्चों की संख्या भी साल दर साल बढ़ी है।

राजस्थान स्टेट एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल सोसायटी द्वारा राज्य में संचालित सीबीएसई से संबद्ध 31 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल विद्यालयों में से नवीनतम 31वां विद्यालय जमवारामगढ़ (जयपुर) में जून 2025 से प्रारंभ किया गया है। सभी ईएमआरएस विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक कक्षाएं संचालित होती हैं। कक्षा 11 एवं 12 में विज्ञान और कला संकाय उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा, पाठ्यपुस्तकें, आवास, भोजन, पौष्टिक आहार, जूते-मौजे सहित दैनिक उपयोग की सामग्री उपलब्ध करवाई जाती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड वर्चुअल रिएलिटी, इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर, ब्यूटी एंड वेलनेस, एग्रीकल्चर तथा ऑटोमोटिव स्किल लैब्स में इन विद्यालयों में संचालित की जा रही हैं।

इन विद्यालयों में शिक्षा के साथ-साथ खेल-कूद और सह-शैक्षिक गतिविधियों पर भी पूरा ध्यान दिया जाता है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में राज्य स्तरीय स्टेट स्पोर्ट्स मीट-2025 उदयपुर में से चयनित 154 विद्यार्थियों ने ओडिशा के राउरकेला में आयोजित नेशनल स्पोर्ट्स मीट-2025 में राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए 9 इवेंट्स में पदक अर्जित किए। वहीं, राज्य स्तरीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक फेस्ट-2025 उदयपुर में से चयनित 59 विद्यार्थियों ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक एवं साहित्यिक फेस्ट-2025 में भाग लिया।

एकलव्य विद्यालयों में बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ करियर मार्गदर्शन देकर भविष्य के लिए सही दिशा भी दिखाई जाती है। इन विद्यालयों में कक्षा 9 से 11 तक अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए इनेबल कार्यक्रम के अंतर्गत टाटा मोटर्स के सहयोग से आईआईटी-जेईई और नीट की तैयारी के लिए प्रतिदिन ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। दक्षणा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित नेशनल लेवल परीक्षा में चयनित 12 विद्यार्थियों को भोपाल (मध्यप्रदेश) में आईआईटी, जेईई और नीट की विशेष कोचिंग दी जा रही है। ईएमआरएस बिहारीपुरा, जयपुर के छात्र मोहनलाल मीना, अनिकेश मीना और ईएमआरएस बरनाला, सवाईमाधोपुर की छात्रा राजकुमारी मीना ने नेशनल एलीजिबिलिटी कम एंट्रेस टेस्ट (नीट) परीक्षा में चयनित होकर राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालयों से एमबीबीएस कर रहे हैं। सवाईमाधोपुर जिले में बामनवास तहसील के बरनाला के पास एक गांव की रहने वाली राजकुमारी मीना के किसान पिता का सपना था कि उनकी बेटी बड़ी होकर डॉक्टर बने।

राजकुमारी ने बताया कि उनके गांव में बायोलॉजी नहीं थी। सरकारी स्कूल से दसवीं में 93 फीसदी से उत्तीर्ण होने के बाद ईएमआरएस प्रवेश परीक्षा दी और ईएमआरएस बरनाला में उनको प्रवेश मिल गया। आज वे गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, भावनगर में एमबीबीएस सैकंड ईयर की छात्रा हैं।

किसी भी प्रकार के 'कंटेंट' को दबा पाना असंभव है: वीर दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर में रविवार को जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान विज़िटर्स।

जयपुर। 'स्टैंडअप कॉमेडियन' और फिल्म अभिनेता वीर दास ने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में किसी भी प्रकार के 'कंटेंट' को दबा पाना असंभव है और देश के विशाल दर्शक वर्ग को देखते हुए यहां युवा कलाकारों के लिए बहुत संभावनाएं हैं। वीर दास ने जयपुर साहित्योत्सव में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह भारतीय कॉमेडी के भविष्य को लेकर बहुत आशावादी हैं । उनसे सवाल किया गया था कि मौजूदा समय में जब हास्य को लेकर दर्शकों का हास्य बोध संवेदनशील हुआ है तो वह भारतीय कॉमेडी के भविष्य को किस प्रकार से देखते हैं।

कॉमेडी में हर वक्त नया विषय लाने की चुनौती से संबंधित एक सवाल के जवाब में वीर दास ने कहा कि वह दर्शकों की मांग के बजाय सहज भाव से कॉमेडी करना पसंद करते हैं। वीर दास की 2025 में आई किताब 'दी आउटसाइडर: ए मैमोयेर फॉर मिसफिट' के संबंध में किए गए सवाल पर उन्होंने मजाक में कहा, किताब लिखना, कुछ भी लिखने से बहुत अधिक कठिन काम है। यहां तक कि फिल्मों में अभिनय करने से भी मुश्किल है। बहुत संघर्ष के बाद मैं एक छोटी सी किताब लिख पाया हूं और वादा करता हूं कि जीवन में फिर कभी किताब लिखने की कोशिश नहीं करूंगा।

'कॉमेडी शोज' के गिरते स्तर पर वीर दास ने कहा, ''हर किसी का अपना स्वाद होता है। किसी को भिंडी सूखी पसंद आती है, किसी को गीली और किसी को मसालेदार। मैं फराह खान का प्रशंसक हूं, जिनकी फिल्मों की सामग्री भले ही अधिक बौद्धिक न हो, लेकिन उनकी फिल्म के हर तीसरे सीन में दर्शक ताली बजाते हैं, भरपूर हंसते हैं, यह मुझे पसंद है। उनकी 'तीस मार खां' और 'ओम शांति ओम' उसका उदाहरण है।'' उन्होंने कहा कि 'कॉमेडियन' एक लंबे समय से इंतजार कर रहे थे कि उन्हें फिल्मों में मुख्य धारा में आने का मौका मिले, क्योंकि काफी समय से वे मुख्य नायक के साथ छोटे मोटे किरदार निभाते आ रहे थे।

दास ने कहा कि 'इंडस्ट्री' में अब हास्य आधारित कहानियां लिखी जा रही हैं और बहुत सारे कॉमेडियन मुख्य अभिनेता बनकर उभर रहे हैं। उन्होंने 'खोसला का घोंसला' और 'भेजा फ्राय' जैसी फिल्मों को याद करते हुए कहा कि फिर से ऐसी फिल्मों का दौर आ रहा है। 'हैप्पी पटेल : खतरनाक जासूस' से वीर दास ने निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा है। आमिर खान द्वारा निर्मित इस फिल्म में उन्होंने अभिनय के अलावा सह निर्देशन भी किया और वह इसके लेखक भी हैं।

आमिर खान के साथ काम करने के अपने अनुभव पर अभिनेता ने कहा कि आमिर पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद ही किसी फिल्म में काम करने या उसे बनाने का निर्णय लेते हैं। दास ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, ''मुझसे छह अलग-अलग दृश्य शूट करवाने के बाद उन्होंने मुझे सह निर्माता के रूप में रखा और हमारी फिल्म में तीन मिनट की भूमिका करना भी स्वीकार किया।'' दास ने अपनी नयी फिल्म 'हैप्पी पटेल' की सफलता को लेकर मजाकिया लहजे में कहा कि उनकी इस फिल्म का बजट बॉक्स ऑफिस पर हंगामा मचाने वाली फिल्म 'धुरंधर' के 'कैटरिंग बजट' से भी कम था।

राज्यपाल ने किया साई मंदिर का शुभारम्भ

जयपुर/दक्षिण भारत। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने रविवार को पुष्कर स्थित साईदत्त विकास साईधाम मंदिर के विकास कार्यों का विधिवत पूजा अर्चना के साथ शुभारंभ किया। साईदत्त विकास साईधाम के संस्थापक विकास रूणवाल ने ट्रस्ट द्वारा करवाए विकास कार्यों से अवगत कराया। इसके साथ केन्द्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी ने भी पूजा की।

राज्यपाल ने पूर्ण विधि विधान के साथ सांई मंदिर गर्भगृह में पूजा कर मंदिर का शुभारम्भ किया। उन्होंने मुख्य मंदिर में पूजा करने के पश्चात परिसर स्थित अन्य मंदिरों में भी पूजा की। चावड़ी मंदिर तथा द्वारका माई सांई बाबा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके साथ-साथ नवग्रह मंदिर तथा 24 तीर्थंकर मंदिर को नमन किया। गणेश, दुर्गा माता, लक्ष्मी माता, सरस्वती माता, विट्ठल रुक्मणी, राधाकृष्ण मंदिर में भी पूजा करने के पश्चात, 11 मुखी हनुमान मंदिर और शिव मंदिर में शीश नवाया।

बागड़े ने बाद में कहा कि पुष्कर क्षेत्र में सांई मंदिर के साथ अन्य देवी देवता मंदिरों की स्थापना से क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। पुष्कर में पूर्व के केन्द्रों के साथ यह भी नवीन पर्यटन केन्द्र विकसित होने से आगन्तुकों को आकर्षित करेगा।

इससे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। उन्होंने आगंतुकों को पर्यावरण और प्रकृति संरक्षण के लिए वृक्षारोपण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण से वर्षा की मात्रा बढ़ेगी। इससे किसानों को लाभ होगा। इसका प्रभाव देश के उत्पादन तथा आर्थिक तंत्र पर सकारात्मक रूप से पडेगा।

प. बंगाल के लोग तृणमूल कांग्रेस के 'महाजंगल राज' को खत्म करना चाहते हैं : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगूर (पश्चिम बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस सरकार पर 'वोट बैंक' की राजनीति के लिए घुसपैठियों की मदद करके राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी के ''महाजंगल राज'' को समाप्त करना राज्य में कानून व्यवस्था, विकास और निवेशकों के विश्वास को बहाल करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राज्य विधानसभा चुनाव कुछ ही महीनों दूर हैं, ऐसे में मोदी ने चुनावी मुकाबले को ''महाजंगल राज और सुशासन'' के बीच की लड़ाई के रूप में पेश किया तथा मतदाताओं से भाजपा के ''डबल इंजन वाली सरकार मॉडल'' का समर्थन करने की अपील की। हुगली जिले के सिंगूर में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि राज्य में फर्जी दस्तावेजों के जरिये रह रहे अवैध प्रवासियों की पहचान करके उन्हें उनके देशों में वापस भेजना होगा। सिंगूर, बंगाल की राजनीति में 2008 में तृणमूल कांग्रेस द्वारा भूमि अधिग्रहण के खिलाफ किए गए आंदोलन के लिए जाना जाता है, जिसके कारण टाटा मोटर्स को अपनी छोटी कार परियोजना बंद करनी पड़ी थी।

मोदी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार सीमा पर बाड़ लगाने सहित महत्वपूर्ण सुरक्षा उपायों पर केंद्र के साथ सहयोग करने में ''विफल'' रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। वे घुसपैठियों को संरक्षण देने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि वे उन्हें अपना वोट बैंक मानते हैं।''

रविवार को माघ मेला के दौरान मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम में पूजा-अर्चना करने के लिए पहुंचते किन्नर अखाड़ा के सदस्य।

मौनी अमावस्या पर 3.82 करोड़ लोगों ने गंगा में डुबकी लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। प्रयागराज में जारी माघ मेले में रविवार को मौनी अमावस्या पर शाम चार बजे तक 3.82 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई।

इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्नान कर रहे श्रद्धालुओं और साधु संतों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई।

मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कल रात 12 बजे से ही स्नान करने के लिए लोगों का गंगा और संगम क्षेत्र में आना जारी है।

इस दौरान, सुबह स्नान के दौरान संगम नोज पर उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को भारी संख्या में समर्थकों के साथ संगम में जाने से पुलिस ने रोक दिया।

पुलिस अधीक्षक (माघ मेला) नीरज पांडेय ने बताया कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने बिना किसी अनुमति के 200-250 समर्थकों के साथ पुल नंबर दो का बैरियर तोड़कर स्नान घाट की तरफ प्रवेश किया। पांडेय के मुताबिक, उन्हें बताया गया था कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है, इसके बावजूद वह नहीं माने और रोकने पर वह स्नान किए बगैर वापस चले गए। उन्होंने कहा, पुलिस प्रशासन सभी साधु संतों का सम्मान करती है, लेकिन श्रद्धालुओं की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है। इससे पूर्व, मकर संक्रांति के अवसर पर 1.03 करोड़ जबकि एकादशी पर लगभग 85 लाख लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया था।

केंद्र ने बंगाल के लिए कोष रोका : अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पश्चिम बंगाल के लिए आवंटित केंद्रीय निधि रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के ''परिवर्तन'' के आह्वान के विपरीत राज्य के लोग चुनाव के बाद केंद्र में पार्टी को सत्ता से बेदखल करने की प्रक्रिया का नेतृत्व करेंगे।

नदिया जिले के चोपड़ा में रोड शो के बाद रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि राज्य के लोग ''बाहरी लोगों और दिल्ली के जमींदारों के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेंगे''। केंद्र सरकार पर धनराशि रोकने का आरोप लगाते हुए बनर्जी ने कहा कि भाजपा चाहती है कि बंगाल के लोग ''झुककर आत्मसमर्पण कर दें''। उन्होंने कहा, ''आपने बंगाल की जनता के लिए आवंटित धनराशि रोक दी और उन्हें परेशान किया, लेकिन तृणमूल कांग्रेस और बंगाल की जनता नहीं बदलेगी।'' उन्होंने कहा कि मोदी ने राज्य में अपने राजनीतिक संदेश में बदलाव किया है। बनर्जी ने कहा, ''पहले प्रधानमंत्री अपनी रैलियों की शुरुआत 'जय श्री राम' से करते थे, अब वे 'जय मां काली' कहते हैं।'' बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पिछले पांच वर्षों में बंगाल के लोगों को ''कष्ट दिया'' है और दावा किया कि 2026 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ''50 से कम सीट'' पर सिमट जाएगी। उन्होंने कहा, ''परिवर्तन जरूर आएगा। वर्ष 2026 के बाद मोदी बंगाल आकर 'जय बांग्ला' के नारे लगाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''आने वाले दिनों में बंगाल की जनता राज्य में चौथी बार तृणमूल कांग्रेस को चुनकर आपको दिल्ली की सत्ता से बाहर कर देगी।''

असम के विकास की यात्रा में मील का पत्थर साबित होगा काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलियाबोर (असम)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखने के साथ ही राज्य अपनी विकास यात्रा के एक अहम मुकाम पर पहुंच गया है।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य मध्य और ऊपरी असम के बीच संपर्क को बेहतर बनाना और 'यूनेस्को' (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) विश्व धरोहर स्थल तथा एक सींग वाले गैंडे के निवास स्थान काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की समृद्ध जैव विविधता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने नगांव जिले में प्रधानमंत्री द्वारा विकास परियोजनाओं की आधाशिला रखने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एक समय यह अकल्पनीय था कि कोई प्रधानमंत्री केवल वन्यजीवों की रक्षा के लिए काजीरंगा से होकर गुजरने वाले 35 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर के वास्ते करीब 7,000 करोड़ रुपए की धनराशि को मंजूरी देगा।

शर्मा ने कहा, ''यह एक अभूतपूर्व उपहार है और प्रधानमंत्री स्वयं इसे असम की जनता को भेंट करने के लिए कलियाबोर आए हैं। इससे पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए असम के विकास को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।'' शर्मा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों और भारतीय वन्यजीव संस्थान की सिफारिशों के अनुसार कार्यान्वित की जा रही यह परियोजना वन्यजीवों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करेगी और सड़क दुर्घटनाओं तथा मानव-पशु संघर्ष को काफी हद तक कम करेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मान्यता के मुताबिक भगवान कृष्ण ने असम की रुक्मिणी को गुजरात के द्वारका ले जाते समय कलियाबोर में विश्राम किया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की पवित्र भूमि पर उपस्थिति असम और गुजरात के बीच ऐतिहासिक संबंधों की पुनः पुष्टि का प्रतीक है।

धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में महिला गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मऊ (उप्र)/भाषा। मऊ जिले में एक महिला को अपने घर में धर्म परिवर्तन से जुड़ी गतिविधियां संचालित करने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर कोतवाली इलाके की रहने वाली सविता नाम की महिला अपने घर से कथित तौर पर धर्म परिवर्तन की गतिविधियां संचालित कर रही थी। पुलिस ने मौके से धर्म परिवर्तन से संबंधित प्रचार सामग्री भी बरामद की है। उन्होंने बताया कि यह मामला राधेश्याम नामक व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सविता और उसके साथी आम लोगों को लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे थे। अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार ने बताया कि मामले में विस्तृत जांच जारी है। इस काम में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा 'उपभोक्ता बाजार' है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र का सबसे बड़ा 'उपभोक्ता बाजार' उत्तर प्रदेश है।

चिकित्सा प्रौद्योगिकी एवं स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश, नवाचार और वैश्विक सहयोग के लिए यहां आयोजित तीन दिवसीय 'यूपी हेल्थ टेक कॉन्क्लेव' की शुरुआत करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''हमारे लिए यह सम्मेलन इसलिए महत्वपूर्ण है कि इस क्षेत्र का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार उत्तर प्रदेश है।'' उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की आबादी 25 करोड़ है और उसके साथ ही अगल-बगल के राज्य तथा पड़ोसी देश नेपाल की भी स्वास्थ्य सुविधाओं का भार इस प्रदेश पर पड़ता है। उन्होंने 2014 में देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने और 2017 में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बदलावों का दावा करते हुए कहा कि इस राज्य ने भारत सरकार के साथ मिलकर पिछले आठ-नौ वर्षों के अंदर स्वास्थ्य क्षेत्र में परिवर्तन करने में व्यापक सफलता प्राप्त की है। स्वास्थ्य क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को बेहतर करने का प्रयास किया है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''2017 से पहले उत्तर प्रदेश में सरकारी और निजी क्षेत्र को मिलाकर कुल 40 मेडिकल कालेज थे और आज उत्तर प्रदेश में 81 मेडिकल कालेज पूरी तरह क्रियाशील हैं, दो एम्स हैं, लगभग जिला स्तर के 100 से अधिक अस्पताल हैं, जो सरकार द्वारा संचालित होते हैं।''

मुलाकात — **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

स्विट्जरलैंड में भारतीय राजदूत मृदुल कुमार ने स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026 के बारे में जानकारी दी। खास बात यह है कि राज्य की 25वीं सालगिरह के बाद दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में हिस्सा लेने वाला झारखंड का यह पहला सरकारी डेलीगेशन है। दावोस में झारखंड का हिस्सा लेना प्रकृति के साथ आज्ञा में विकास थीम पर आधारित है, जो वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के सस्टेनेबल डेवलपमेंट, भरोसे और लंबे समय के इकोनॉमिक बदलाव पर फोकस करता है।

झारखंड : बारात ले जा रही बस पलटी; पांच लोगों की मौत, 25 अन्य घायल

लातेहार/भाषा। झारखंड के लातेहार जिले में रविवार को बारात ले जा रही एक बस के पलट जाने से उसमें सवार कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा महुदनार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत ओरसा घाटी में हुआ। पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार गौरव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से बारात लेकर बस लातेहार के महुदनार आ रही थी। बस पलट गई, जिससे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 25 अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।''

गौरव ने बताया कि हादसे की वजहों की जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक पोस्ट में लातेहार के उपायुक्त को घायलों को उचित चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल के मालदा में हावड़ागुवाहाटी (कामाख्या) के बीच देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के दौरान छात्रों से संवाद करते हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल में 830 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगूर (पश्चिम बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में 830 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया और कोलकाता को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाली तीन अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

हुगली जिले के सिंगूर में आयोजित समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ने जयरामबती-बारोगोपीनाथपुर-मयनापुर रेल लाइन का भी उद्घाटन किया और मयनापुर और जयरामबती के बीच चलने वाली एक ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सभी केंद्रीय परियोजनाएं पश्चिम बंगाल के विकास में तेजी लाएंगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पूर्वी भारत के विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए काम कर रही है। पीएमओ द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मोदी ने हुगली जिले के बालागढ़ में अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) टर्मिनल और एक रोड ओवरब्रिज समेत विस्तारित 'पोर्ट गेट सिस्टम' की आधारशिला रखी। लगभग 900 एकड़ भूमि में फैला बालागढ़ एक आधुनिक माल ढुलाई टर्मिनल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसकी अनुमानित क्षमता लगभग 2.7 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है। बालागढ़ परियोजना का उद्देश्य भीड़भाड़ वाले गलियारों से जहाजों की आवाजाही का मार्ग परिवर्तित कर माल निकासी क्षमता में उल्लेखनीय सुधार करना है।

झारखंड सरकार शहरी स्थानीय निकाय चुनावों की घोषणा करे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई ने राज्य सरकार से आगामी शहरी निकाय चुनाव पार्टी के आधार पर कराने और निर्वाचन की तारीखें यथाशीघ्र घोषित करने की रविवार को मांग की। भाजपा के एक नेता ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की अध्यक्षता में हुई बैठक में इन मांगों पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि बैठक में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी और पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन और मधु कोड़ा भी शामिल हुए।

भाजपा प्रवक्ता अमित मंडल ने कहा कि बैठक के दौरान आगामी शहरी निकाय चुनावों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। मंडल ने संवाददाताओं से कहा, ''हमने सरकार से मांग की है कि वह पार्टी के आधार पर चुनाव कराए और जल्द से जल्द चुनाव की तारीखों की घोषणा करे।'' झारखंड में रांची नगर निगम समेत शहरी निकाय चुनाव कई वर्षों से लंबित हैं। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) के एक अधिकारी ने बताया कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा इस महीने के अंत तक होने की संभावना है।

मणिपुर के मामले में केंद्र सरकार ने गैर जिम्मेदाराना रवैया दिखाया : कांग्रेस

इंफाल/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत केंद्र सरकार ने पिछले पांच वर्षों में मणिपुर को लेकर गैर-जिम्मेदाराना रवैया दिखाया, जिससे राज्य की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। यह बात मणिपुर के कांग्रेस प्रभारी क्रिस्टोफर तिलक ने कही, जो जातीय हिंसा से प्रभावित राज्य में पार्टी के 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान में शामिल होने आए हैं। तिलक ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, मणिपुर में जो कुछ हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। पिछले पांच वर्षों से केंद्र सरकार ने राज्य के प्रति गैर-जिम्मेदाराना रवैया दिखाया है। अर्थव्यवस्था बहुत खराब हालत में है और अब सीमा सहित सुरक्षा भी एक समस्या बन गई है। केंद्र सरकार के मणिपुर को लेकर गंभीर न होने का आरोप लगाते हुए तिलक ने कहा कि राज्य की उनकी पिछली यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति शासन के बावजूद भूमिगत समूहों ने बंद का आयोजन कराया। कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य में अपने एक सप्ताह के प्रवास के दौरान, वह 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान का नेतृत्व करते हुए पहाड़ी और घाटी दोनों क्षेत्रों का दौरा करेंगे।

बिहार सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही, महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के प्रति असंवेदनशील : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने एक नीट अभ्यर्थी की मौत को लेकर राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर रविवार को निशाना साधा और उस पर महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के प्रति असंवेदनशील होने तथा अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। तेजस्वी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना करते हुए कहा कि वह इस तरह की घटनाओं पर चुप्पी साधे हुए हैं।

राजद नेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बिहार में मशीन-निर्मित 'डबल इंजन' वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार भ्रष्ट व्यक्तियों, अपराधियों और बलात्कारियों का हथियार बन गई है। वोटों की खरीद-फरोख्त से बनी बिहार की असंवेदनशील नीतीश सरकार राज्यभर में लड़कियों, छात्राओं, बेटियों और महिलाओं पर अत्याचार कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में कानून-व्यवस्था का अंतिम संस्कार पहले ही हो चुका है। तेजस्वी ने कहा, राज्य में सत्ता की बागडोर संभालने वाले लोग इन दिल दहला देने वाली घटनाओं पर चुप्पी साधे हुए हैं और संत होने का दिखावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मधेपुरा में एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या, खगड़िया में चार साल की बच्ची के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या, पटना में नीट की तैयारी कर रही छात्रा के साथ बलात्कार और हत्या जैसी घटनाएं दर्शाती हैं कि यह सरकार कितनी निर्दयी एवं क्रूर हो गई है। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि जब सरकार और पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन होते हैं, तो प्रदर्शनकारियों को पीटा जाता है और जेल भेज दिया जाता है। यह सरकार अपराधियों और बलात्कारियों के साथ मेहमान की तरह पेश आती है। यहां तक कि मीडियाकर्मियों को भी शायद याद न हो कि मुख्यमंत्री ने आखिरी बार उनसे कब बातचीत की थी। इस मशीन-निर्मित सरकार के अत्याचार और शोषण

कांग्रेस ने वायु प्रदूषण पर विश्व बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए केंद्र से पूछे सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रदूषण पर विश्व बैंक की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए रविवार को पूछा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार कब तक सच्चाई को मानने से इनकार करती रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रदूषण से गंगा के मैदानी क्षेत्रों और हिमालय की तलहटी वाले इलाकों में हर साल लगभग दस लाख लोगों की समय से पहले मौत हो जाती है।

कांग्रेस महासचिव (संचार) और पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने कहा कि उनकी पार्टी वायु प्रदूषण से पैदा हुए स्वास्थ्य संकट को देखते हुए कई उपाय सुझा रही है, जिसमें बिना किसी ढील के नियमों और मानकों को सख्ती से तथा बिना किसी समझौते के लागू करना शामिल है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा विश्व बैंक की गंगा के मैदानी क्षेत्रों और हिमालय की तलहटी वाले इलाकों में वायु प्रदूषण पर नवीनतम रिपोर्ट 'ए ब्रेथ ऑफ चेंज' व्यापक, साक्ष्य आधारित है। रमेश ने कहा, ''यह रिपोर्ट सही समय पर आई है। इसमें इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि अब इस क्षेत्र में हर साल लगभग 10 लाख लोगों की समय से पहले मौत हो जाती है, जिससे हर साल क्षेत्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 10 प्रतिशत आर्थिक नुकसान भी होता है।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि रिपोर्ट में कई कदम सुझाए गए हैं। इसके तहत कोयला बिजली घरों के उत्सर्जन मानकों का पालन कराना और सबसे पुराने इकाइयों को जल्दी बंद करना, सार्वजनिक परिवहन का विस्तार और विद्युतीकरण करना तथा वाहन उत्सर्जन और ईंधन मानकों को कड़ा करना होगा। रमेश ने कहा, ''हाल के वर्षों में वायु प्रदूषण से जुड़ा स्वास्थ्य संकट बहुत गंभीर हो गया है। इसे देखते हुए कांग्रेस 1981 के वायु प्रदूषण (नियंत्रण और रोकथाम) अधिनियम और 2009 के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक की समीक्षा करने का सुझाव दे रही है, जिसमें विशेष रूप से पीएम 2.5 पर ध्यान दिया जाए।'' पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदर्शन के मापदंड के रूप में पीएम 2.5 स्तर को शामिल करते हुए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम का आर्थिक बजट और भौगोलिक क्षेत्र के मामले में व्यापक विस्तार करने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि इसमें बिना किसी छूट या ढील के, वायु प्रदूषण के नियमों और मानकों को सख्ती से और बिना किसी समझौते के लागू करने का भी सुझाव दिया गया है।

सुविचार

हीरे की अहमियत जानते हो तो अँधेरे में चमको क्योंकि रौशनी में तो कांच भी चमकते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

किसी को कोसें नहीं, खुद को तैयार करें

एक मशहूर संगीतकार ने हिंदी फिल्म उद्योग में कम काम मिलने को जिस तरह सांप्रदायिकता से जोड़ने की कोशिश की है, वह हकीकत से कोसों दूर है। जिस देश की जनता ने उनके काम को खूब सराहा, सम्मान किया, उन्होंने इन सब पर एक झटके में पानी फेर दिया! हर साल हिंदी फिल्म उद्योग में बहुत लोग आते हैं। उनमें से कुछ ही लोग जल्दी सफलता पाते हैं। ज्यादातर को लंबे संघर्ष के बाद कुछ सफलता मिलती है। यह टिकी रहेगी, इस बात की कोई गारंटी नहीं होती। ऐसे दर्जनों उदाहरण दिए जा सकते हैं, जब किसी का नाम चमका तो खूब चमका, लेकिन कुछ साल बाद वह अर्श से फर्श पर आ गया। उनमें से बहुत लोग भारत के बहुसंख्यक समुदाय से मिलेंगे। वे इसके लिए किसके माथे पर दोष मढ़ें? इसी हिंदी फिल्म उद्योग ने ऐसे लोगों को भी सुपर स्टार बनाया, जिन्होंने बड़े पर्दे पर बहुसंख्यक वर्ग की आस्था का मजाक उड़ाया था। इसके बावजूद उन्हें देश में असहिष्णुता नजर आती है! इससे ज्यादा सहिष्णुता और कहां मिलेगी? क्या कोई व्यक्ति ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान या अफगानिस्तान में रहकर ऐसी फिल्मों में नजर आ सकता है? अगर कोई इतनी हिम्मत दिखा ही दे तो क्या वह उस देश में दोबारा नजर आ सकता है? भारत में यह ट्रेंड बन चुका है कि जब तक फिल्मों में काम मिल रहा है, बढ़िया पैसा आ रहा है तो सबकुछ अच्छा है। जैसे ही कुछ उतार-चढ़ाव आने लग जाएं, समाज को कोसना शुरू कर दें!

कुछ बुद्धिजीवी उनके पक्ष में हमेशा खड़े मिलते हैं। वे कला के नाम पर अनर्गल चीजें पेश करने के लिए एकतरफा आजादी चाहते हैं। उनकी मंशा रहती है कि सबकुछ उसी पुराने ढर्रे पर चलना चाहिए। अगर कोई निर्माता कश्मीरी पंडितों के उत्पीड़न को दर्शाने वाली फिल्म बना दे तो उन्हें उसमें झूठ नजर आने लगता है। वे कहते हैं कि ऐसा कभी हुआ ही नहीं था! अगर कोई निर्माता अपनी फिल्म में पाकिस्तान और उसके आतंकवादी संगठनों का कच्चा चिट्ठा खोल दे तो वे कहते हैं कि यह पड़ोसी देश के लिए नफरत भड़काने की कोशिश है, गोया वहां से बम नहीं, गुलाब के फूल आ रहे हों! ऐसा कब तक चलता रहेगा? अब सोशल मीडिया का जमाना है। लोग अपनी पसंद-नापसंद को खुलकर जाहिर कर सकते हैं। लेखकों, निर्माताओं, निर्देशकों, अभिनेताओं, संगीतकारों को इसका ध्यान रखना चाहिए। अगर फिल्म उद्योग को अन्य उद्योगों की तरह देखें तो याद रखें, हर दशक में लोगों की पसंद बदल जाती है। जैसे संवाद पचास के दशक में लिखे जाते थे, वैसे आज नहीं लिखे जा सकते, क्योंकि भाषा के स्तर पर बहुत बदलाव आ चुके हैं। कहानियां बदल चुकी हैं। संगीत बहुत बदल चुका है। फिल्म निर्माण की तकनीक बदल चुकी है। क्या आज कोई निर्माता सत्तर के दशक की मशीनें लेकर उस दौर की पटकथा से फिल्म बना सकता है? पुरानी चीजों के साथ सुनहरी यादें जरूर जुड़ी होती हैं, लेकिन समय के साथ बदलाव आता ही है। इसके लिए फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों को तैयार रहना चाहिए। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां पुरानी सफलता हमेशा साथ नहीं देती। उससे सम्मान जरूर मिलता है, लेकिन प्रासंगिक बने रहने के लिए यह काफी नहीं है। दर्शकों के साथ जुड़ाव और निर्माताओं, निर्देशकों के साथ संबंध बहुत मायने रखते हैं। किसी को कोसने से बेहतर है कि नए दौर के साथ खुद को तैयार करें।

ट्वीटर टॉक

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री श्री राज के. पुरोहित जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। वे राजस्थान के थे, इसलिए यहाँ के लोगों से उनका आत्मीय रिश्ता था। उनका निधन प्रदेश के लिए एक बड़ी क्षति है।

-वसुंधरा राजे

भारत कला और संस्कृति से इतना समृद्ध है कि वो सिर्फ अपने लोगों को नहीं दुनिया के लिए विविधता में एकता की प्रेरणा है, सांस्कृतिक एका का यह वैश्विक प्रभाव मोदी जी के नेतृत्व संभालने के बाद कई गुना बढ़ गया है।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

पूर्व मंत्री महेन्द्र जीत मालवीय ने कांग्रेस पार्टी में पुनः शामिल होने के बाद आज पीसीसी में मुलाक़ात की एवं पार्टी शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट किया। आशा है आप पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ कांग्रेस पार्टी को और मजबूत करेंगे ।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

भीतरी स्थिरता से प्रकाश

एक गांव के मंदिर में रोज़ शाम एक छोटा-सा दीपक जलाया जाता था। मंदिर ऊंचाई पर था, इसलिए वहां हवा हमेशा तेज़ चलती थी। कई बार पुजारी सोचता'इतनी हवा में यह दीपक जलाना व्यर्थ है, कुछ ही देर में बुझ जाएगा।' एक दिन आंधी आ गई। लोगों ने कहा 'आज दीपक मत जलाइए, हवा बहुत प्रचंड है।' लेकिन पुजारी ने दीपक जलायाऔर उसे एक कांच की छोटी लालटेन में रख दिया।

हवा चली और तेज़ चली, लेकिन दीपक बुझा नहीं। रात में दूर-दूर से आने वाले यात्रियों ने उसी छोटे दीपक की रोशनी देखकर मंदिर का रास्ता पाया। अगली सुबह पुजारी ने कहा'समस्या हवा नहीं थी, समस्या तैयारी की कमी थी। जब दीपक को सही आवरण मिला, तो वही हवा उसकी रोशनी को दूर तक फैलाने लगी।' जीवन में विरोध, आलोचना और कठिनाइयां हवा की तरह हैंवे हर किसी के लिए चलती हैं, जो बिना तैयारी के है, वह बुझ जाता है। और जो भीतर से मजबूत है, वही विपरीत परिस्थितियों में दूसरों के लिए प्रकाश बनता है। बल बाहर से नहीं, भीतर की स्थिरता से आता है।

सामयिक

ग्रीनलैंड विवाद और बदलती वैश्विक धुरी

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर अपनाई गई आक्रामक नीति अब न तो सनक भर रह गई है और न ही चुनावी बयानबाज़ी तक सीमित है। यह 2026 की वैश्विक राजनीति का एक गंभीर और निर्णायक संकट बन चुकी है। जनवरी 2026 में ट्रंप के ऐलान किया कि 1 फरवरी 2026 से डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड्स और फिनलैंड (आठ नाटो देशों) के आयात पर 10प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जो 1 जून 2026 से 25प्रतिशत तक बढ़ जाएगा-जब तक ग्रीनलैंड की 'पूर्ण और संपूर्ण खरीद' पर डील नहीं हो जाती। यह बयान उस सोच को उजागर करता है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय राजनीति को कूटनीति नहीं, बल्कि दबाव और सौदेबाज़ी का खेल माना जा रहा है।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का यह रवैया नया नहीं है। 2019 में भी उन्होंने इसे एक रियल एस्टेट डील बताया था, जिसे उस समय मज़ाक या कूटनीतिक अपरिपक्वता कहकर टाल दिया गया। लेकिन सात साल बाद वही विचार एक अलग, अधिक संगठित और खतरनाक रूप में सामने आया है। अब इसे राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्कटिक क्षेत्र में चीन और रूस की बढ़ती मौजूदगी और दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण जैसे तर्कों से जोड़ा जा रहा है। यही कारण है कि यह मुद्दा अब केवल अमेरिका और डेनमार्क के बीच सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे नाटो और वैश्विक व्यवस्था के लिए चुनौती बन गया है।

यूरोप की प्रतिक्रिया इस संकट की गंभीरता को रेखांकित करती है। डेनमार्क ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है, जबकि ग्रीनलैंड के लोग भी सड़कों पर उतरकर अपनी स्वायत्तता और पहचान की रक्षा कर रहे हैं। कोई दबाव नहीं, कोई संकेत नहीं जैसे बयान यह दर्शाते हैं कि स्थानीय नेतृत्व किसी भी सूरत में बाहरी दबाव स्वीकार करने को तैयार नहीं है। फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देशों ने भी एकजुट होकर ट्रंप की धमकी को अंतरराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के खिलाफ बताया है। यूरोप की सड़कों पर गूंजते यांकी गो होम जैसे नारे इस असंतोष की तीव्रता को उजागर करते हैं।

ट्रंप के तर्क अपनी जगह साफ हैं। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ पिघलने से नए समुद्री मार्ग खुल रहे हैं, जो वैश्विक व्यापार और सैन्य रणनीति दोनों के लिए अहम हैं। इसके अलावा, ग्रीनलैंड में लिथियम, कोबाल्ट और अन्य रेयर अर्थ एलिमेंट्स की भरपूर उपलब्धता है, जो भविष्य की तकनीक-इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और नवीकरणीय ऊर्जा-के लिए अनिवार्य मानी जाती है। ट्रंप का दावा है कि ग्रीनलैंड 'गोल्डन डोम' मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए रणनीतिक रूप से आवश्यक है, हालांकि विशेषज्ञों का मत है कि वर्तमान पिटुफिक अंतरिक्ष आधार और डेनमार्क के साथ हुए समझौतों के कारण अमेरिका को पहले से ही पर्याप्त पहुंच है, तथा पूर्ण क्रय की जरूरत विवादित है। इन दलीलों के पीछे संसाधनों और प्रभुत्व की पुरानी लालसा ही काम कर रही है।

आर्थिक दृष्टि से यह प्रस्ताव कई गहरे सवाल खड़े करता है। ट्रंप की टीम ने ग्रीनलैंड की संभावित खरीद कीमत 700 बिलियन डॉलर तक बताई है, जिसमें खरीद के अलावा माइंस, इंफ्रास्ट्रक्चर और सब्सिडी के लिए सैकड़ों बिलियन अतिरिक्त खर्च शामिल हैं, और लाभ 10-20 साल बाद दिख सकता है। जबकि विशेषज्ञों का आकलन है कि इससे किसी ठोस आर्थिक लाभ के संकेत कम से कम दो दशक बाद ही सामने आ सकते हैं। इसके बावजूद, टैरिफ जैसे आर्थिक हथियारों के जरिए सहयोगी देशों पर दबाव बनाना नाटो की मूल भावना और आपसी भरोसे के खिलाफ जाता है। यही कारण है कि इस कदम को केवल एक आक्रामक नीति नहीं, बल्कि गठबंधन की विश्वसनीयता पर सीधा खतरा माना जा रहा है। इस टकराव का प्रभाव यूरोप की सीमाओं तक सीमित नहीं रहने वाला है। वैश्विक सप्लाई चेन पहले ही दबाव में है, और यदि ट्रंप की टैरिफ नीति से ट्रेड वॉर तेज होता है, तो इसके झटके पूरी दुनिया में महसूस किए जाएंगे। इसी बीच रूस और चीन आर्कटिक क्षेत्र में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ा रहे हैं, और विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की आक्रामक रणनीति अनजाने में उन्हें और रणनीतिक अवसर प्रदान कर सकती है। यह पावर पॉलिटिक्स का नया चरण है, जहां आर्थिक दबाव को भू-राजनीतिक लक्ष्य हासिल करने के औज़ार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।

भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अप्रत्यक्ष होते हुए भी दूरगामी असर रखने वाला है। भारत आर्कटिक काउंसिल का ऑब्जर्वर है और जलवायु परिवर्तन के कारण इस क्षेत्र में उभरते संसाधनों और नए समुद्री मार्गों में उसकी दिलचस्पी स्वाभाविक है। ग्रीनलैंड के रेयर अर्थ मिनरल्स भारत की इलेक्ट्रिक वाहन नीति, बैटरी निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के लिए बेहद अहम हैं। यदि अमेरिका इन संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित करता है, तो भारत के लिए अमेरिका के साथ रणनीतिक सहयोग के नए रास्ते खुल सकते हैं, विशेषकर क्वाड और इंडो-पैसिफिक ढांचे के अंतर्गत। फिर भी, जोखिम को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। ट्रंप की टैरिफ नीति का असर भारत पहले भी महसूस कर चुका है। यदि यूरोप के साथ ट्रेड वॉर गहराता है, तो वैश्विक मांग में संभावित गिरावट भारत की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा सकती है। इसके साथ ही, अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ता तनाव वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता पैदा करेगा, जिसका सीधा असर भारत के फार्मा, टेक्सटाइल और ऑटोमोबाइल जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ सकता है।

फिर भी, हर बड़े संकट के भीतर नए अवसरों के बीज छिपे होते हैं। यदि यूरोप अमेरिका से रणनीतिक दूरी बनाता है, तो भारत-यूरोप मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को निर्णायक गति मिल सकती है। यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बढ़त साबित होगी, जिससे उसके उद्योगों को नए और स्थिर बाजार मिलेंगे। साथ ही, आर्कटिक क्षेत्र में अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा तेज होने की स्थिति में भारत को रिसर्च, विज्ञान और संसाधन सहयोग के नए और उपयोगी मंच उपलब्ध हो सकते हैं। भारत की कूटनीति के लिए यह समय संतुलन और सूझ-बूझ की सख्त परीक्षा है। बहुपक्षीयता और संप्रभुता का समर्थक होने के नाते ग्रीनलैंड जैसे संवेदनशील मुद्दे पर भारत को सोच-समझकर तटस्थ रुख अपनाना होगा। अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए यूरोप, रूस और चीन के साथ संतुलन साधना ही भारत के दीर्घकालिक हितों की कुंजी है। यही संतुलन भारत को उभरती बहुध्रुवीय दुनिया में एक स्वतंत्र, भरोसेमंद और प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित कर सकता है।

ट्रंप का ग्रीनलैंड प्लान किसी एक द्वीप की खरीद भर का मामला नहीं है। यह उस नई वैश्विक व्यवस्था को गढ़ने की कोशिश है, जिसमें नाटो की एकता, अंतरराष्ट्रीय कानून और वैश्विक व्यापार की स्थिरता दांव पर लगी हुई है। भारत के लिए यह दौर सतर्कता, दूरदर्शिता और स्मार्ट डिप्लोमेसी की मांग करता है। 2026 में दुनिया एक नाजुक मोड़ पर खड़ी है, जहां लिया गया एक फैसला पूरी वैश्विक राजनीति की दिशा बदल सकता है। यदि भारत इस परिवर्तन को समझदारी से संभालता है, तो वह न केवल चुनौतियों से उबर पाएगा, बल्कि एक सशक्त वैश्विक शक्ति के रूप में और मजबूती से उभरेगा।

मुद्दा

चुनावों में दरकने लगे सियासी परिवार

बाल मुकुन्द ओझा

बिहार के बाद महाराष्ट्र में भी पारिवारिक सियासत के किले एक के बाद एक ढहने शुरू हो गए है। कुछ दिनों पूर्व बिहार में लालू परिवार का गढ़ ध्वस्त हो गया था। अब महाराष्ट्र में भी दो शक्तिशाली सियासी परिवार दरकने लगे है। मुंबई सहित महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों के चुनाव में बाला साहेब ठाकरे और बुजुर्ग नेता शरद पवार के परिवारों का सियासी सूर्य भी अस्त होने के कगार पर है। बाल ठाकरे के बेटे उद्धव और भतीजे राज ने ये चुनाव मिलकर लड़ा। ब्रांड ठाकरे के नाम का खूब उपयोग हुआ मगर ठाकरे परिवार को यहां मुंह की खानी पड़ी। शरद पवार ने भी अपने भतीजे से मिलकर चुनाव लड़ा मगर मतदाताओं ने पवार परिवार को भी ठुकरा दिया।

देश में अनेक सियासी परिवार जहां फले फुले है वहां अनेक परिवार टूट फुट का शिकार होकर दरकते भी गए है। इस समय देश में डेढ़ दर्जन परिवार राजनीति में सक्रीय है। इनमें अनेक बड़े परिवार समय के साथ फलते फूलते और बिखरते रहे। राजनीति के चाणक्य समझे जाने वाले शरद पवार के भतीजे अजीत ने अपने चाचा को पटकनी देकर भाजपा सरकार में उप मुख्यमंत्री का पद संभाल लिया है। देश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित नेहरू गांधी परिवार में भी स्व. संजय गांधी की पत्नी मेनका और बेटे वरुण गांधी ने परिवार से अलग राह पकड़कर भाजपा का दामन थाम रखा है। दूसरा बड़ा परिवार पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल का है जिसकी चौथी पीढ़ी इस समय सियासी समर में संघर्षरत है।

देवीलाल के बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री ओपी चौटाला के दोनों बेटों ने सियासत की अलग अलग पगडंडियां पकड़ रखी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान के निधन के बाद उनका परिवार भी बिखर गया है। बेटे और भाई ने अलग अलग राह पकड़ रखी है। इसी भांति यूपी में सोने लाल पटेल के परिवार के सदस्यों की राह भी जुदा जुदा है। इनमें एक सदस्य मोदी मंत्री मंडल में शामिल है तो दूसरा मोदी विरोधी धड़े के साथ है। कल तक मुलायम सिंह यादव का परिवार भी अलग थलग था। भाई शिवपाल और बेटे अखिलेश की राह अलग अलग थी मगर शिवपाल फिर अपने भतीजे के साथ हो गए है मगर परिवार के एक बहू अपर्णा आज भी भाजपा खेमे से जुडी है। आंध्र में पूर्व मुख्यमंत्री रामाराव का परिवार भी बिखरा हुआ है। महाराष्ट्र में बाल ठाकरे का परिवार भी एकजुट नहीं रहा। भतीजे राज ने अपने चाचा से बगावत कर अलग पार्टी बना ली थी और आज भी उद्धव और राज की राहें अलग अलग है।

भारतीय राजनीति में पंचायत से संसद तक परिवारवाद हावी है। उत्तर से लेकर दक्षिण और पूरब से लेकर पश्चिम तक राजनीति में परिवारवाद ने अपनी जड़ इतनी ज्यादा मजबूत कर ली है कि उसे हटाना अब नामुमकिन हो गया है। हमारे लोकतान्त्रिक देश में एक दर्जन राज्यों में परिवारवाद की चिंगारी अभी सुलग रही है। यूँ देखा जाये तो राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा में वंशवादी राजनीति न के बराबर है जबकि कांग्रेस, सपा, डीएमके, आरजेडी, एनसीपी, लोकदल के नाम से विभिन्न दल, नेशनल कॉन्फ्रेंस, लोक जनशक्ति पार्टी, देवेगौड़ा की पार्टी, अकाली दल जैसे दलों का संगठन और सत्ता एक परिवार विशेष के लिए समर्पित है। कई राजनीतिक विश्लेषक परिवारवाद और वंशवाद की परिभाषा अलग अलग बताते है। इन लोगों की मान्यता के अनुसार यदि संघर्ष के रास्ते कोई भाई अपनी जगह सियासत में बनाकर आता है तो उसे परिवारवाद का दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। वहीँ दूसरे पक्ष के विश्लेषक मानते है कि परिवार के सहारे आगे बढ़ना अनुचित है। भारत के लोकतंत्र को समझने वाले लोगो का एक दृष्टिकोण ये भी है की इस देश में वंशवाद और राजशाही को लोकतंत्र का जामा ओढ़ाया गया है। राजशाही के जमाने में और लोकतंत्र में फर्क सिर्फ इतना है कि तब राजा ही अपने बेटे को उत्तराधिकारी घोषित करता था अब वो जनता से घोषित करवाता है। बहरहाल आम जनता की नजर में परिवारवाद और वंशवाद में कोई ज्यादा फर्क नहीं है। लोकतंत्र के लिए यह हितकारी नहीं है।

नजरिया

देश की सॉफ्ट पावर बताता है मजबूत पासपोर्ट

मनीष कुमार चौधरी

मोबाइल : 9829453147

अंतरराष्ट्रीय यात्रा में किसी पासपोर्ट की शक्ति को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। यह लगभग अकेले ही निर्धारित करता है कि इसका धारक कितनी आसानी से सीमाओं को पार कर सकता है और नए क्षितिज तलाश सकता है। मजबूत राजनयिक संबंध और सकारात्मक अंतरराष्ट्रीय संबंध वाले देशों के पास अक्सर शक्तिशाली पासपोर्ट होते हैं, जो अपने नागरिकों को अन्य देशों में व्यापक वीजा-मुक्त पहुंच प्रदान करते हैं। दरअसल जियो-पॉलिटिक्स में किसी देश के पासपोर्ट की ताकत उसकी सॉफ्ट पावर मापने की एक अहम इकाई है। एक मजबूत पासपोर्ट नागरिकों को बिना वीजा के ही दुनियाभर के कई देशों में स्वतंत्र रूप से यात्रा करने की अनुमति देता है। यूं तो पासपोर्ट रैंकिंग के मामले में भारत की स्थिति कुछ ज्यादा अच्छी नहीं रही है। फिर भी 2026 के हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में भारत की स्थिति में पिछले साल से सुधार हुआ है। भारत अब विश्व स्तर पर 80वें स्थान पर है, जिसमें 55 गंतव्यों के लिए वीजा-मुक्त, वीजा-ऑन-अराइवल या इलेक्ट्रॉनिक वीजा की सुविधा है। भारत इस रैंक को अल्जीरिया और नाइजर के साथ साझा करता है, जिससे यह वैश्विक गतिशीलता तालिका के निचले आधे हिस्से में मजबूती से स्थापित हो गया है।

भारत की 80वीं रैंक और 55 का वीजा-फ्री स्कोर का मतलब है कि भारतीय यात्रियों को अभी भी ज्यादातर यूरोप, यूके, अमेरिका, कनाडा और पूर्वी एशिया के बड़े हिस्सों के लिए पहले से वीजा लेना पड़ता है। जबकि दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, कैरेबियन और द्वीप देशों के कुछ हिस्सों में आसान पहुंच है, लेकिन दूसरे देशों की तुलना में अचानक यात्रा करना अभी भी सीमित है। संदर्भ देखें तो चीन 59वें स्थान पर है और 81 गंतव्यों तक इसकी पहुंच है। सऊदी अरब 54वें स्थान पर, 88 डेस्टिनेशन प्रदान करता है। दक्षिण अफ्रीका 48वें स्थान पर है और 101 डेस्टिनेशन तक एक्सेस देता है। इस अंतर का भारतीय यात्रियों पर बहुत प्रभाव पड़ता है। यानी लंबी प्लानिंग साइकिल, ज्यादा लागत और छुट्टियों व बिजनेस दोनों तरह की यात्राओं के लिए ज्यादा डॉक्यूमेंटेशन। भूटान, नेपाल, मालदीव, श्रीलंका, थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, लाओस, कंबोडिया, म्यांमार, तिमोर-लेस्ते, ईरान, जॉर्डन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, मंगोलिया, ओमान, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, हांगकांग (एसएआर चीन), मकाऊ (एसएआर चीन) जैसे क्षेत्र भारतीयों के लिए आसानी से एक्सेस वाले डेस्टिनेशन का सबसे बड़ा केंद्र है। भारत की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति के बावजूद अधिकांश प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को अभी भी पहले से स्वीकृत वीजा की आवश्यकता होती है, जिनमें शामिल हैं- शेंजेन यूरोप (फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, आदि), यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड। यही मुख्य कारण है कि मजबूत आउटबाउंड यात्रा मांग के बावजूद भारत विश्व स्तर पर 80वें स्थान पर है। जबकि अमेरिकी पासपोर्ट धारक 179 गंतव्यों की यात्रा वीजा-मुक्त कर सकते हैं। हालांकि हेनले पासपोर्ट इंडेक्स आईएटीए के रियल-टाइम वीजा पॉलिसी डेटा पर आधारित है, जिसमें 199 पासपोर्ट और 227 डेस्टिनेशन शामिल हैं। यह केवल उन डेस्टिनेशन को गिनता है जिनके लिए पहले से वीजा की जरूरत नहीं होती है, जिससे यह यात्रा में आसानी का एक व्यावहारिक संकेतक बनता है, न कि प्रतिष्ठा का। किसी पासपोर्ट को इस तरह आंकने की पद्धति सतह पर बहुत सरल है। कई जटिल सामाजिक और ऐतिहासिक गतिशीलताएं व अंतर हैं जो यह निर्धारित करते हैं कि किन देशों का उच्च स्कोर होने की अधिक संभावना है। इसमें बहुत कुछ इतिहास, संस्कृति और भाषा से भी जुड़ा है।

पिछले 20 वर्षों में वैश्विक गतिशीलता में काफी विस्तार हुआ है, लेकिन इसके लाभ असमान रूप से वितरित किए गए हैं। आज पासपोर्ट विशेषाधिकार अवसर, सुरक्षा और आर्थिक भागीदारी को आकार देने में एक निर्णायक भूमिका निभाता है। हालांकि बढ़ती औसत पहुंच एक ऐसी वास्तविकता को छिपाती है जिसमें गतिशीलता के फायदे दुनिया के सबसे आर्थिक रूप से शक्तिशाली और राजनीतिक रूप से स्थिर देशों के बीच तेजी से केंद्रित हो रहे हैं। यूके ने साल-दर-साल सबसे ज्यादा नुकसान दर्ज किया। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की रैंकिंग दिखाती है कि पिछले दो दशकों में ग्लोबल मोबिलिटी (यानी दुनिया में एक देश से दूसरे देश जाने) में काफी बदलाव आया है। वर्ष 2006 में औसतन केवल 58 देशों में वीजा-फ्री यात्रा की जा सकती थी। अब यह संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। शीर्ष क्रम वाले देश तो अब औसत 166 से अधिक देशों की यात्रा करने में सक्षम हैं। ग्लोबल मोबिलिटी बढ़ने का सीधा-सा मतलब है कि वैश्वीकरण की प्रक्रिया और तेज होगी। हमें ज्यादा से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय पर्यटक-नागरिक देखने को मिलेंगे। हालांकि इसका एक साइड-इफेक्ट यह भी है कि इससे राष्ट्रवाद जैसी विचारधाराओं को बल मिलेगा, क्योंकि ज्यादातर विकसित और उन्नत देशों में दूसरे देशों के नागरिक काम करने या पढ़ाई के मकसद से आएंगे, जहां उनकी संस्कृतियों का टकराव होने की आशंका रहती है। यूरोपीय संघ के कई सदस्य देश किसी न किसी प्रकार के निवेश के बदले निवास करने का अधिकार प्रदान करते हैं। वीजा-खुलापन और निवेश प्रवासन दोनों महत्वपूर्ण लीवर हैं, जिनका उपयोग सरकारें अपने पासपोर्ट की शक्ति के साथ-साथ अपनी आर्थिक प्रगति पर सकारात्मक प्रभाव डालने और सुधार करने के लिए कर सकती हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

विद्याशिल्प यूनिवर्सिटी ने एलायंस फ़्रांसेज़ दे बेंगलूरु के साथ इमैजिनरी फ़्यूचर्स 2050 का आगाज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। द स्कूल ऑफ़ डिज़ाइन, विद्याशिल्प यूनिवर्सिटी ने एलायंस फ़्रांसेज़ दे बेंगलूरु के सहयोग से इमैजिनरी फ़्यूचर्स 2050 का उद्घाटन किया। यह एक बहु-विषयक प्रदर्शनी है, जो अपने संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के कार्यों के माध्यम से कल्पनाशीलता, नवाचार और रचनात्मक अन्वेषण को एकसाथ प्रस्तुत करती है।

इस प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्याशिल्प यूनिवर्सिटी के कुलपति पीजी बाबू ने किया। इस अवसर पर विद्याशिल्प यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ़ डिज़ाइन के डीन नरेंद्र रघुनाथ, प्रतिष्ठित प्रकाशक एवं विद्याशिल्प यूनिवर्सिटी के विज़िटिंग प्रोफेसर एलन एफ पार्कर, एलायंस फ़्रांसेज़ दे बेंगलूरु के निदेशक एवं महासचिव जीन-मार्क डेपियर, स्कूल ऑफ़ डिज़ाइन, विद्याशिल्प यूनिवर्सिटी की प्रोग्राम चेयर डॉ. वसंती मरियादास तथा वरिष्ठ शिक्षाविद मौजूद थे।प्रो. पीजी बाबू ने कहा, 'अच्छे डिज़ाइन में समय लगता है, लेकिन उसे वास्तव में जीवंत बनाने का काम सामूहिक प्रयास करता है। इमैजिनरी फ़्यूचर्स 2050 यह दर्शाता है कि किस तरह संकाय सदस्य और छात्र विभिन्न विषयों और अनुभवों के पार एक साथ आकर कुछ ऐसा रचते हैं, जो विचारपूर्ण भी है और सुंदर भी।'

प्रो. एलन पार्कर ने कहा, 'डिज़ाइन में नवाचार भविष्यवाणी करने में नहीं, बल्कि यह समझने में निहित है कि भविष्य अभी अस्तित्व में नहीं है, सिर्फ वर्तमान मौजूद है। यहां हम उस वर्तमान क्षण की अपार संभावनाओं और विचारों के साथ गहराई से जुड़ने को तैयार एक पीढ़ी के वादे को देख रहे हैं।'

ग्रीनलैंड को लेकर शुल्क लगाने की ट्रंप की धमकी 'बिल्कुल गलत':ब्रिटिश प्रधानमंत्री

लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने ग्रीनलैंड को कब्जे में लेने की कोशिश का विरोध करने वाले यूरोपीय देशों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी को 'पूरी तरह से गलत' करार दिया है। स्टॉर्मर ने इस प्रस्तावित कदम का विरोध कर रहे अन्य यूरोपीय सहयोगियों का शनिवार रात को समर्थन किया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर इस योजना के बारे में पोस्ट किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ब्रिटेन, डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड और फिनलैंड से अमेरिका में आयातित वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है। उन्होंने यह भी धमकी दी कि यदि आर्कटिक में स्थित स्वायत्त द्वीप ग्रीनलैंड पर समझौता नहीं हुआ तो यह शुल्क और भी बढ़कर 25 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यहां प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक, स्टॉर्मर ने कहा,ग्रीनलैंड पर हमारा रुख बहुत स्पष्ट है – यह डेनमार्क साम्राज्य का हिस्सा है और इसका भविष्य ग्रीनलैंडवासियों और डेनमार्क के लोगों का मामला है।

उन्होंने कहा, हमने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि आर्कटिक सुरक्षा नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) के लिए महत्वपूर्ण है और सभी सहयोगियों को आर्कटिक के विभिन्न हिस्सों में रूस से उत्पन्न खतरे से निपटने के लिए मिलकर और अधिक प्रयास करने चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा,नाटो सहयोगियों की सामूहिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन पर शुल्क लगाना पूरी तरह गलत है। हम निश्चित रूप से इस मामले को सीधे अमेरिकी प्रशासन के सामने उठाएंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने ट्रंप की धमकी को 'अस्वीकार्य' बताया। दूसरी ओर ग्रीनलैंड और डेनमार्क में हजारों लोग अमेरिका की कब्जे की धमकियों के विरोध में सड़कों पर उतर आए। स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने इस बात पर जोर दिया कि यूरोपीय सहयोगी 'ब्लैकमेल' नहीं होंगे। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता अंतरराष्ट्रीय कानून के मूलभूत सिद्धांत हैं। उन्होंने चेतावनी दी, शुल्क लगाने से अटलांटिक-पार संबंध कमजोर होंगे।

करूर भगदड़ मामले में सीबीआई ने अभिनेता विजय को पूछताछ के लिए भेजा समन

चेन्नई/एजेन्सी

साउथ के मशहूर एक्टर और टीवीके पार्टी के जोसेफ विजय चंद्रशेखर उर्फ विजय को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने करूर भगदड़ की जांच के सिलसिले में सोमवार को नई दिल्ली में फिर से पेश होने के लिए नया समन जारी किया है। इससे पहले बीते हफ्ते भी 12 जनवरी को अभिनेता से सीबीआई ने लगातार 6 घंटे तक पूछताछ की थी। अब दोबारा पूछताछ के लिए अभिनेता को 19 जनवरी को बुलाया गया है। विजय से पूछताछ मामला 27 सितंबर, 2025 को करूर में आयोजित एक राजनीतिक अभियान से संबंधित है, जब विजय टीवीके पार्टी के लिए प्रचार कर रहे थे। इस घटना में अभिनेता तय समय से देरी से पहुंचे थे, जिसकी वजह से सभा स्थल पर भीड़ बढ़ने की वजह से भगदड़ मच गई थी। घटना में 41 लोगों की जान चली गई और दर्जनों लोग घायल हुए थे। अभिनेता ने घटना पर दुख जताते हुए मृतक के परिवारों को 20 लाख रुपये की सहायता राशि भी दी थी और कुछ परिवारों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात भी की

थी। केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा की जा रही जांच की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की अध्यक्षता वाली एक समिति कर रही है। हाल के हफ्तों में, सीबीआई ने इस घटना के कारणों की जांच तेज कर दी है।

मामले में अभिनेता विजय के साथ-साथ टीवीके पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों से भी पूछताछ की गई है, जिसमें पार्टी के महासचिव बुस्सी आनंद, चुनाव प्रबंधन विभाग के महासचिव अधव अर्जुन, संयुक्त महासचिव निर्मल कुमार और करूर जिला सचिव मथियाझगन का नाम शामिल है। पूछताछ के दौरान, सीबीआई अधिकारियों ने कथित तौर पर कई अहम सवाल उठाए, जिनमें करूर कार्यक्रम का आयोजन किसने किया, क्या विजय को पहले से ही व्यवस्थाओं की जानकारी थी, कार्यक्रम स्थल पर देरी से पहुंचने का कारण और बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई प्रयास किए गए थे या नहीं, शामिल थे।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 12 जनवरी को हुई पूछताछ में अभिनेता ने साफ किया था कि भगदड़ में न ही उनकी पार्टी की लापरवाही थी और न ही उनकी कोई भूमिका थी। अभिनेता ने कहा कि भगदड़ को रोका जा सके, इसलिए उन्होंने भाषण तक रोक दिया था और मंच से उतर गए थे। वहीं सीबीआई अभिनेता और पुलिस द्वारा दिए गए बयानों को मिलाने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने अपने बयानों में भगदड़ के लिए पार्टी और अभिनेता को जिम्मेदार बताया है। पुलिस का कहना है कि अभिनेता अपने तय समय से देरी से पहुंचे थे, जिसकी वजह से जरूरत से ज्यादा भीड़ सभा स्थल पर इकट्ठा हो गई और भाषण के दौरान अभिनेता को देखने की होड़ की वजह से भगदड़ हुई।

बांग्लादेश में केले के विवाद में एक हिंदू व्यवसायी की हत्या, तीन आरोपी हिरासत में लिये गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका। बांग्लादेश के गाजीपुर में केले को लेकर हुए विवाद के बाद एक हिंदू व्यवसायी को तीन लोगों ने पीट-पीटकर मार डाला। यह जानकारी स्थानीय मीडिया ने दी है। खबरों के मुताबिक आरोपी एक ही परिवार के सदस्य हैं। अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है कि गाजीपुर जिले के कालीगंज इलाके में शनिवार को हुई घटना का संबंध बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हाल ही में हुई हिंसा की घटनाओं से है या नहीं। 'द डेली स्टार' की खबर के अनुसार, पीड़ित की पहचान लिटन चंद्र घोष (55) के तौर पर हुई है जो 'बैशाखी स्वीटमीट एंड होटल' का मालिक था। कालीगंज पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी जाकिर हुसैन के अनुसार, एक परिवार के तीन सदस्यों स्वपन मियां (55), उसकी पत्नी माजेदा खातून (45) और उनके बेटे मासूम मियां (28) को हत्या में संलिप्त होने के आरोपा में हिरासत में लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि मासूम केले के बागान का मालिक है और उसमें से केले का एक गुच्छा गायब हो गया था। पुलिस ने बताया कि तलाश के दौरान उसने केले लिटन के होटल में देखे और इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। पुलिस ने बताया, आरोपी ने लिटन को घूंसे और लात मारकर गिरा दिया, जिससे वह जमीन पर गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। लिटन के परिवार ने बताया कि मासूम पूर्वाह्न करीब 11 बजे होटल आया था और उस समय उसका होटल के एक कर्मचारी से मामूली बात पर झगड़ा हो गया।

रहमान की चिंताओं पर मुस्लिमों की वास्तविकता से मेल नहीं खाती : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर बॉलीवुड के कथित सांप्रदायिकरण को लेकर संगीतकार ए आर रहमान की चिंताओं को खारिज करके भारतीय मुसलमानों की वास्तविकताओं का खंडन कर रहे हैं। मुफ्ती ने ेशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जब जावेद अख्तर बॉलीवुड में बढ़ते सांप्रदायिकरण को लेकर ए आर रहमान की चिंताओं को खारिज करते हैं।

मनोज तिवारी के मुंबई स्थित घर में चोरी, आरोपी निकला पूर्व कर्मचारी

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में भाजपा सांसद, गायक और अभिनेता मनोज तिवारी के घर में चोरी होने की घटना सामने आई है। यह मामला इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि चोरी में शामिल व्यक्ति

उनके अपने पूर्व कर्मचारी हैं। चोरी की गई कुल राशि लगभग 5.40 लाख रुपए बताई जा रही है। यह घटना उनके अंधेरी वेस्ट के शास्त्री नगर इलाके में स्थित सुंदरबन अपार्टमेंट में घटी थी। अंबोली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, घटना पिछले साल जून 2025 से हुई थी, जब मनोज तिवारी के घर के बेडरूम की अलमारी से लगभग 4.40 लाख रुपए चोरी हो गए थे। उस समय चोरी करने वाले की पहचान नहीं हो सकी थी। मनोज तिवारी के मैनेजर प्रमोद जोगेंद्र पांडे, जो पिछले 20 सालों से उनके साथ काम कर रहे हैं, ने इस चोरी के बाद सभी पर कड़ी नजर रखी। उन्हें शक था कि चोरी को कोई जानकार ही अंजाम दे रहा है। इसके चलते दिसंबर 2025 में घर में गुप्त रूप से सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। इसके बाद 15 जनवरी 2026 को रात लगभग 9 बजे, सीसीटीवी अलर्ट में मनोज तिवारी के पूर्व कर्मचारी सुरेंद्र कुमार शर्मा को चोरी करते हुए देखा गया।

फुटेज में साफ दिखा कि सुरेंद्र के पास घर, बेडरूम और अलमारी की डुप्लीकेट चाबियां थीं। इसी चाबी की मदद से वह बिना ताला तोड़े घर में प्रवेश करते रहे और नकदी निकालते रहे। उस रात उन्होंने 1 लाख रुपए चोरी किए। सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। सुरेंद्र कुमार शर्मा ने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने बताया कि उसने चोरी की योजना तब बनाई थी जब वह मनोज तिवारी के घर में काम कर रहा था और चाबियों की मदद से उसने दोनों घटनाओं में चोरी को अंजाम दिया।

रोड़ शो

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले रोड शो के दौरान ढचउ के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी।

भीड़

पटना में रविवार को 'मौनी अमावस्या' त्योहार के मौके पर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़।

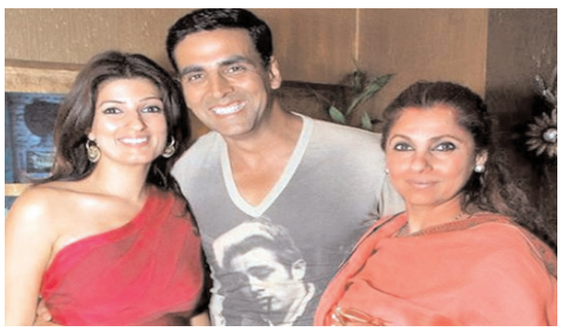

मेरी सास कभी झूठ नहीं बोलती : अक्षय कुमार

मुंबई/एजेन्सी

अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना बॉलीवुड सिनेमा के ऐसे कपल्स हैं, जो मीडिया इंटरव्यू से लेकर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे की टांग खींचने का मौका नहीं छोड़ते हैं। इसी हंसी-मजाक और खुशी के साथ कपल ने अपनी शादी के 25 साल पूरे कर लिए हैं। हालांकि, अपनी शादी की सालगिरह पर अक्षय कुमार को अपनी सास डिंपल कपाड़िया की कही बात याद आ रही है। अक्षय कुमार ने शादी के 25 साल पूरे होने की खुशी को सोशल मीडिया पर शेयर किया है और ट्विंकल खन्ना के अजीबोगरीब वीडियो को शेयर किया है जिसमें वे बीच पर टेढ़े-मेढ़े तरीके से चल रही हैं। वीडियो को पोस्ट कर अक्षय ने कैप्शन में लिखा, जब 2001 में इसी दिन हमारी शादी हुई थी, तब उनकी मां ने कहा था, 'बेटा, अजीबोगरीब स्थितियों में भी हंसने के लिए तैयार रहना, क्योंकि वो बिल्कुल ऐसा ही करेगी।' 25 साल हो गए और मुझे पता है कि मेरी सास कभी झूठ नहीं बोली। उनकी बेटी तो सीधा चलना भी नहीं चाहती, वह तो ज़िंदगी में नाचते-नाचते जीना पसंद करती है। अभिनेता ने आगे लिखा, पहले दिन से लेकर 25वें साल तक, मेरी इस प्यारी पत्नी को सलाम, जो मुझे हंसाती रहती है, सोचने पर मजबूर करती है और कभी-कभी थोड़ा परेशान भी कर देती है! हमारी शादी की सालगिरह मुबारक हो, टीना। 25 साल की मस्ती, जिसे हम दोनों प्यार करते हैं।

अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना की शादीशुदा जिंदगी की तरह ही उनकी लव स्टोरी भी मजेदार है। दोनों की पहली मुलाकात मैगजीन के फोटोशूट के दौरान हुई थी और फिर दोनों ने 'इंटरनेशनल खिलाड़ी' और 'जुल्मी' जैसी फिल्मों में काम किया। फिल्मों में काम करने के दौरान दोनों का प्यार परवान चढ़ने लगा और शादी के लिए एक शर्त रखी गई। ट्विंकल का कहना था कि अगर फिल्म 'मेला' फ्लॉप रही तो हम शादी कर लेंगे। मेला फिल्म फ्लॉप रही और 17 जनवरी 2025 को दोनों ने शादी कर ली। अभिनेता अक्षय कुमार आज भी फिल्मों में सक्रिय हैं, जबकि ट्विंकल खन्ना लेखिका बन चुकी हैं। उनकी कई किताबें बाजार में आ चुकी हैं, और लगभग सभी किताबों को बहुत अच्छा रिस्पांस मिला है।

मोनिका बेदी - अंडरवर्ल्ड डॉन पर आया दिल, तो छोड़ा कैरियर

नई दिल्ली/एजेन्सी

कभी बॉलीवुड की ग्लैमर क्वीन, जिसकी खूबसूरती और एक्टिंग के चर्चे हर तरफ थे, आज उसकी कहानी काफी अलग है। वो चमक-दमक वाली फिल्मी दुनिया, जहां हर कोई सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचने के लिए आज जद्दोजहद कर रहा है, एक्ट्रेस मोनिका बेदी ने उसे बस अपने प्यार के लिए छोड़ दिया था। यह कोई आम लव स्टोरी नहीं थी, क्योंकि मोनिका बेदी जिसके प्यार में पड़ी थी और जिसके लिए अपना करियर छोड़ा था, वो अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम था। 18 जनवरी 1975 को पंजाब के चब्बवाल में जन्मीं मोनिका बेदी ने तेलुगू फिल्म 'ताजमहल' से करियर की शुरुआत की थी। जल्द ही उन्होंने सैफ अली खान के साथ फिल्म सुरक्षा से बॉलीवुड में डेब्यू किया और गोविंदा, संजय दत्त, सुनील शेट्टी, चिरंजीवी, सलमान खान और धर्मेंद्र जैसे जाने-माने एक्टर्स के साथ काम किया। उनकी मशहूर फिल्मों में कॉमेडी हिट जोड़ी

नंबर 1 शामिल है। लोग सोच रहे थे कि ये लड़की बॉलीवुड में लंबी पारी खेलने वाली है, लेकिन मुकद्दर को कुछ और ही मंजूर था।

1998 में दुबई में एक स्टेज शो के दौरान मोनिका का पहला संपर्क अबू सलेम से हुआ। शुरू-शुरू में अबू ने खुद को एक कारोबारी बताया, लेकिन धीरे-धीरे उसके अंदाज और बातचीत ने मोनिका का दिल छू लिया। दोनों का रिश्ता परवान चढ़ने लगा, लेकिन जिंदगी की इस मोड़ ने आगे चलकर मोनिका के लिए मुश्किलें खड़ी कर दीं। 2002 में अबू सलेम के साथ गिरफ्तार किया गया और मोनिका को जेल की कठोर जिंदगी झेलनी पड़ी। यह वह समय था जब वह फिल्मी दुनिया से दूर हो गई थीं। जेल में बिताए हुए साल उनके लिए आसान नहीं थे, लेकिन उन्होंने अपनी हिम्मत और जज्बे के बल पर उस कठिन समय का सामना किया। 2007 में सजा पूरी होने के बाद मोनिका ने अपने करियर को फिर से संवारने की कोशिश की। मोनिका ने कई टीवी और रियलिटी शो में भाग लिया। बिग बॉस 2, झलक दिखला जा 3, सिरफिरे और रोमियो रांझा जैसे रियलिटी शो और फिल्मों के जरिए उन्होंने अपनी पहचान फिर से बनाने की कोशिश की। हालांकि फिल्म इंडस्ट्री में वो पहले जैसी जगह नहीं बना पाईं। आज मोनिका बेदी मुंबई में अपने छोटे-मोटे शोज, स्टेज प्रोग्राम और सोशल मीडिया के जरिए एक्टिव हैं। इंस्टाग्राम पर वे फिटनेस और ब्यूटी टिप्स देती हैं और फैंस के साथ अपने अनुभव शेयर करती हैं। उन्होंने एक ब्यूटी सैलून भी खोला है, जिससे वे अपनी कमाई का अलग जरिया भी रखती हैं।

कामयाबी जहर और जिंदगी नरक बन गई थी : कंगना रनौत

मुंबई/एजेन्सी

सोशल मीडिया ट्रेंड हो और अभिनेत्री कंगना रनौत पीछे रह जाए, ऐसा हो नहीं सकता है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया ट्रेंड को फॉलो करते हुए साल 2016 की बुरी यादों को ताजा किया है। कंगना ने उन पुराने दिनों को याद किया है, जब उनके और ऋतिक रोशन के बीच कानूनी नोटिस की लंबी जंग चली थी। हालांकि अभिनेत्री का मानना है कि पहले पता होता, तो इतना दुखी न होती। कंगना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने साल 2016 की पुरानी यादों को शेयर किया है, हालांकि साल 2016 उनके लिए और उनके करियर के लिए शाप की तरह था। कानूनी मामलों से गुजरने से लेकर वे मीडिया ट्रायल का हिस्सा रहीं। उन्होंने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, अचानक सबको 2016 की याद क्यों आ रही है? मेरे करियर की रफ्तार तो बस शुरू से आखिर

तक बढ़ती ही रही। 'क्वीन' और 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बाद मैं सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्री बन गई थी, लेकिन फिर जनवरी 2016 में मेरे एक सहकर्मी ने मुझे वह विवादित कानूनी नोटिस भेजा, जिसने इंडस्ट्री को हिलाकर रख दिया और उसे दो हिस्सों में बांट दिया।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, कामयाबी जहर बन गई और जिंदगी नरक बन गई। लोग अलग-अलग गुटों में बंट गए और कई कानूनी लड़ाइयां शुरू हो गईं। दस साल पहले अगर मुझे पता होता कि 2026 में मैं हर खाने में कार्बोहाइड्रेट खा रही हूंगी, खूब हंस रही हूंगी और 2016 के सारे ड्रामे का कुछ भी मतलब नहीं रह जाएगा, तो सच में मैं तब इतनी दुखी नहीं होती। शुक्र है कि 2016 नहीं, हम 2026 में हैं। साल 2016 कंगना के लिए वाकई नासूर बन गया था। ये वही साल था जब कंगना ने अपने और ऋतिक रोशन के रिश्ते की सच्चाई दुनिया के सामने रखी थी और बताया कि कैसे एक बड़े फिल्म निर्माता के बेटे ने उन्हें धोखा दिया। उन्होंने ऋतिक को 'पूर्व पागल प्रेमी' तक कहा। इसके बाद ऋतिक ने अभिनेत्री को कानूनी नोटिस भेजा और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए कहा था, हालांकि इसके बाद मामला बढ़ता रहा और कानूनी नोटिस का दौर भी समय के साथ पेचीदा हो गया। कंगना ने ऋतिक रोशन और उनके पिता पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया, लेकिन समय के साथ मामला भी दब गया।

कर्म सुधरेगा तभी जीवन सुधरेगा : कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री बागेश्वर धाम मंडल चेन्नई द्वारा एसपीआर प्रांगण में आयोजित तीन दिवसीय भक्त चरित्र कथा के दूसरे दिन रविवार को कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय ने कहा कि व्यक्ति को अपने जीवन में कर्मों को सुधारने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए उन्होंने कहा कि कर्म सही होगा तभी जीवन में सुधार संभव हो पाएगा। उन्होंने कहा कि ठाकुरजी के भक्तों का चरित्र श्रवण करने से ठाकुरजी प्रसन्न होते है इससे भक्तों को उनकी भक्ति सहज ही प्राप्ति हो जाती है।

कथावाचक ने कथा में आगे कहा कि पुण्य की प्राप्ति के लिए आज सभी में होड लगी है पर कर्मों को सही करने में सब निरुत्साहित नजर आते है। उन्होंने कहा कि यदि कर्म सही किए जाए तो पुण्य की प्राप्ति होगी और उस पुण्य से भगवत शरण की प्राप्ति होगी तत्पश्चात स्वर्ग की प्राप्ति होगी। उन्होंने कहा कि अच्छे कर्मों के उपरांत पुण्यं भोगने के लिए मनुष्य को स्वर्ग की प्राप्ति होती है जबकि बुरे कर्मों से नर्क जैसी स्थित प्राप्ति होती है। उन्होंने कथा में कहा की ईश्वर की कृपा भक्ति से प्राप्त होती है व्यक्ति को अपने विचारों, क्रियाओं को शुद्ध करने पर ध्यान देना चाहिए यदि ये सही रहे तो जीवन में स्वतः ही बदलाव आएगा उन्होंने कहा कि पुण्य के पीछे ज्यादा भागने का प्रयास नहीं करना चाहिए बल्कि हमें अपना कर्म सुधार कर निस्वार्थ भाव से भगवान की भक्ति करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि विधि का विधान टाला नहीं जा सकता वह सत्य एवं शाश्वत है, परंतु प्रभु भक्ति करने से उनकी आराधना करने से दुखों एवं संकटों को सहन करने का साहस अवश्य प्राप्त होता है भक्ति से संकटों एवं समस्याओं का आसानी से समाधान निकल सकता है। उन्होंने कहा कि ईश्वर की भक्ति से विप्पत्ति में मनुष्य की बुद्धि बल सब प्रवीण हो जाती है। उन्होंने कहा कि भक्ति करने वाले व्यक्ति की बुद्धि गंभीर से गंभीर परिस्थितियों में भी सत्य मार्ग दिखाती है। कथा में कथावाचक ने संत कबीर के बाल्यकाल उनकी भक्ति की कथा का विस्तार से वर्धन करते हुए कई मधुर भजन गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा में श्याम सत्संग के अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, सचिव नारायण अग्रवाल, प्रचार प्रसार मंत्री मनोज गोयल एवं बागेश्वर धाम मंडल चेन्नई के गौरव शर्मा, महेंद्र रावल, रतन केसरवानी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

मदुरै में महिला कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। भगवान महावीर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट, मदुरै के तत्वावधान में जैन हॉस्पिटल एंड लैब्स, साउथ वेली स्ट्रीट में 18 जनवरी को आयोजित महिला कैंसर स्क्रीनिंग कैंप अत्यंत सफलतापूर्वक एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुआ। इस शिविर का उद्देश्य महिलाओं में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं प्रारंभिक जांच द्वारा समय रहते रोग की पहचान करना था। कैंप में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

इस अवसर पर अपोलो हॉस्पिटल के मेडिकल स्टाफ ने भी अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान कीं। विशेष रूप से कैंप को एक बस में आधुनिक सुविधाओं के साथ संचालित किया गया, जिससे जांच प्रक्रिया और अधिक सुचारू व सुविधाजनक रही। अपोलो हॉस्पिटल के कैंप रिलेशनशिप मैनेजर गैरी सर की गरिमामयी उपस्थिति ने शिविर को और भी प्रभावी बनाया।

शिविर के दौरान महिलाओं के लिए अल्ट्रासाउंड एब्डोमेन, हीमोग्लोबिन जांच, रैंडम ब्लड शुगर टेस्ट, महिला रोग विशेषज्ञों द्वारा परामर्श, पैप स्मीयर (डॉक्टर की सलाह अनुसार), 40 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए मैमोग्राम तथा 40 वर्ष से कम आयु की महिलाओं के लिए ब्रेस्ट अल्ट्रासाउंड जैसी महत्वपूर्ण जांच सुविधाएं सब्सिडाइज्ड दरों पर उपलब्ध कराई गईं। अनुभवी डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टाफ के साथ-साथ मदुरै जैन हॉस्पिटल टीम के सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग कार्यक्रम को पूर्ण रूप से सफल बनाने में महत्वपूर्ण रहा। महिलाओं को न केवल जांच सुविधाएं दी गईं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं कैंसर से बचाव संबंधी उपयोगी जानकारी भी प्रदान की गई। कुल 40 महिलाओं ने चैकअप करवाया। कैंप की सफलता पर भगवान महावीर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट एवं जैन हॉस्पिटल प्रबंधन ने सभी डॉक्टरों, अपोलो हॉस्पिटल स्टाफ, सहयोगियों एवं कैंप में उपस्थित सभी महिलाओं का हृदय से आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी स्वास्थ्य शिविर आयोजित करते रहने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

तप-त्याग सामायिक दिवस से मनाया गया गुरू गणेश का पुण्य स्मरण दिवस

भगवान महावीर सेवा समिति द्वारा 400 वां मानव सेवा कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां टी.नगर के श्री एस एस जैन संघ के तत्वावधान स्वर्ण संयम आराधक श्री वीरेन्द्र मुनि म. सा. के सान्निध्य में कर्नाटक गज केसरी पूज्य श्री गणेशलालजी म.सा. की 64 वी पुण्यतिथि बर्किट रोड़ टी.नगर स्थित माम्बलम जैन स्थानक में जप तप त्याग, 2-2 सामायिक, मानव सेवा, अन्नदानं व परोपकार कार्यों के साथ मनायी गयी। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुनिश्री ने मंगलाचरण किया और उन्होंने गणेशीलालजी म. सा. के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला एवं उनके सम्पूर्ण जीवन चारित्र का सारगर्भित वर्णन प्रस्तुत किया तथा बताया कि गुरु गणेश ज्ञान, दर्शन, चारित्र व जिनशासन के एक महान प्रभावक थे। गुरु गणेश ने अंतिम साँस तक हजारों लोगों को समकित प्रदान किया।

मुख्य अतिथि सुभाषचन्द रांका एवं विमलचन्द धारीवाल ने गुरु स्मरण करते हुए टी.नगर संघ द्वारा की जा रही साधुसाध्वियों की सेवा व परोपकार कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि माम्बलम संघ बिना किसी भेद भाव के सभी सम्प्रदाय के गुरु भगवंतों की सेवा करने वाला एक आदर्श एवं उच्च कोटि का संघ हैं। इस संघ के सभी श्रावक श्राविकाएं सेवा भावी हैं। संघ अध्यक्ष डॉ. उत्तमचन्द गोठी ने आगंतुक श्रावक श्राविकाओं एवं गणमान्य लोगों का भाव अभिनंदन करते हुए बताया की गुरु गणेश का जन्म बिलाड़ा में हुवा। वो घोर तपस्वी थे। जीवन के अन्तिम समय तक एकान्तर तप करते रहे। उनकी कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं था। डॉ.गोठी ने विराजित गुरूदेव का आभार व्यक्त किया। इस मौके में चेन्नई महानगर के कई उपनगरों के गुरु भक्तों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

इस मौके पर भगवान महावीर सेवा समिति द्वारा 400 वां मानव सेवा कार्यक्रम समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। सेवा समिति के संस्थापक डॉ उत्तमचन्द गोठी ने बताया की वर्ष 1995 के माम्बलम संघ में चातुर्मास के दरम्यान, मरूधर केसरीजी म.सा. की जन्म जयंती प्रसंग पर एक प्रवचन से प्रभावित होकर सेवा समिति का शुभारंभ हुआ। लगभग 150 से भी ज्यादा अनाथालयों, वृद्धाश्रम, चिल्ड्रन होम्स ,स्कूलों आदि में लगभग डेढ़ लाख से भी ज्यादा लोगों को इस संस्था द्वारा भोजन एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाई जा चुकी हैं। 15 से भी ज्यादा विशाल मेडिकल कैम्प इस संस्था द्वारा आयोजित किये जा चुके हैं। इसके साथ ही गौशाला में चारा, रोटियां एवं साधर्मिक भाई बहनों को राशन एवं दवाईयां भी सेवा समिति पर हर अमावस्या को प्रदान की जाती हैं। अनुदान देने वाले सदस्य की उपस्थिति अनिवार्य हैं। न कोई अध्यक्ष, न कोई मंत्री, न कोई कोषाध्यक्ष और न ही कोई कार्पस फण्ड फिर भी पिछले 31 वर्षों से यह संस्था एक्टिव हैं। इस मौके पर पिछले 31 वर्षों से सहयोग देने वाले सभी दान दाताओं का बहुमान माला, शाल से दोनों मुख्य अतिथि के हाथों से करवाया गया। लगभग 400 से भी ज्यादा लोगों को मिष्ठान युक्त सात्विक भोजन, वृद्धाश्रम व गौशाला में सहयोग तथा साधर्मिक भाई बहनों को राशन किट व दवाइयां वितरित की गई। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री व सेवा समिति संस्थापक डॉ. उत्तमचन्द गोठी ने किया।

भारत की संस्कृति मंदिरों, मूर्तियों और तीर्थों की संस्कृति है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित ओसवाल कम्युनिटी हॉल में महामांगलिक के अवसर पर साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि हमारी संस्कृति थियेटर की, मॉडल की, पिकनिक स्पॉट की नहीं है। हमारी संस्कृति मंदिरों, मूर्तियों और तीर्थों की संस्कृति है। भारत की पवित्र भूमि थियेटरों की नहीं, मंदिरों की है। थियेटर की संस्कृति हमारी बाहरी चेतना का प्रदर्शन करती है। थियेटर की संस्कृति हमें एक ऐसे स्वप्न संसार की ओर ले जाती है जो अस्तित्वहीन है तथा जो हमें माया-मोह की नींद में सुला देता है । थियेटर की संस्कृति एक प्रकार से आत्मविस्मरण की ओर ले जाती है जबकि मंदिर और मंदिर की संस्कृति आत्म जागरण की ओर ले जाती है। हमारी संस्कृति मॉडलों की नहीं मूर्तियों की है। मॉडल्स हमारा मनोरंजन तो कर सकते हैं किंतु आत्मसाधना की ओर प्रेरित करती है मूर्तियाँ, हमारी आदर्श, हमें सद्मार्ग पर चलने की सतत प्रेरणा प्रदान करती रहती है। हमारी संस्कृति पिकनिक स्पाट्स की नहीं, तीर्थों की संस्कृति है। एक्टर-एक्ट्रेस की नहीं अपितु संतों-महंतो की, साधु-साध्वियों की, योगी-पुरुषों की संस्कृति हैं।ङ्क इस अवसर पर संघ के अनेक ट्रस्टी उपस्थित थे। अनेक संघों ने ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए साध्वीद्वय को निवेदन किया। राज भव्य शीतल चेरिटेबल ट्रस्ट मंडल के नूतन अध्यक्ष रमेश नैनावत, उपाध्याय राजेन्द्र पोरवाल बागरा, मंत्री निकेश भंडारी,भरत बागरेचा,नरेंद्र वाणीगोता, कोषाध्यक्ष प्रवीण भंसाली, राजेश मालवी का चयन किया गया। नूतन ट्रस्टी भरत कानूंगा, लखमीचंद बोहरा का स्वागत किया गया। धर्मीचंद कुंकुलोल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

जीतो साउथ लेडीज ने स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता सत्र 'फिट एंड फैब' का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज़ विंग ने जीतो स्वास्थ्य एवं पोषण पहल के अंतर्गत 'फिट एंड फैब' विषय पर एक विशेष स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता सत्र का आयोजन अरिहंत कॉलेज परिसर में किया जिसमें 180 सदस्याओं ने दो बैचों में भाग लिया। लेडीज़ विंग की अध्यक्ष बबीता रायसोनी ने उपस्थित सदस्याओं का स्वागत करते हुए महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। मुख्य वक्ता के रूप में फिटनेस एवं न्यूट्रिशन मेंटर मोक्षा सोलंकी उपस्थित थीं। उन्होंने फिटनेस विदाउट फियर एवं न्यूट्रिशन विदाउट गिल्ट की अवधारणा को सरल एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि नींद, पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण नींद, शरीर की रिकवरी, हार्मोन संतुलन और मानसिक शांति के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने दिन भर पानी पीने की आदत को स्वास्थ्य का मूल आधार बताया। उन्होंने कहा कि भोजन करते समय मोबाइल या अन्य विकर्षणों से दूर रहना चाहिए। संतुलित आहार, हर भोजन में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन और खनिज तत्वों का संतुलन होना चाहिए। सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से प्रश्न पूछे और अपने अनुभव साझा किए। संयोजिका पिंकी जैन ने जोन और राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान माह-भर चले 'फिटनेस फिएस्टा' के अंतर्गत साप्ताहिक पुरस्कारों का वितरण भी किया गया। अनेक प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपेक्स व बेंगलूरु चैप्टर के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने किया तथा सहसंयोजिका अंगिका बाफना ने धन्यवाद दिया।

स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर आगमन पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का नगर हरीश पटेल, डॉ श्रवण बोहरा, राजेश कुमार गादिया, बाबूलाल गुर्जर, रणवीर सिंह भायल मवड़ी आदि ने मुलाकात कर स्वागत किया। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने बहुत ही आत्मीयता से स्थानीय प्रवासियों से बातचीत की और सरकार के देश के उत्थान के प्रयासों के बारे में कहा। सभी ने अपना परिचय दिया और मंत्रीजी ने अपनी बातों से सभी को अपनों को जड़ों से जुड़े रहने की बात कही।

सरस्वती पूजा को लेकर बिहार भवन में आयोजित हुई बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में 23 जनवरी को बिहार भवन में सरस्वती पूजा का आयोजन किया जा रहा है। पंडित रामानंद चौधरी द्वारा अभिजीत मुहूर्त में पूजा शुरू होगी जिसके यजमान ऋषभ झा होंगे। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम, आरती एवं सहभोज की व्यवस्था की गई है। 24 जनवरी को मूर्ति का विसर्जन किया जाएगा। इस आयोजन के लिए परिषद की कार्यकारिणी समिति की बैठक रविवार को आयोजित हुई जिसमें संयोजक हरीश्चंद्र झा, ट्रस्ट के सचिव राजेश्वर सिंह, परिषद के अध्यक्ष एसके उपाध्याय, सचिव पंडित राजगुरु, कार्यक्रम अध्यक्ष उदय कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। सचिव राजगुरु ने उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.